RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 296 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शुक्रवार 12 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने 'हमर तिरंगा अभियान' पर आधारित फिल्म का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री की अपील घर-घर फहराएं राष्ट्रीय ध्वज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'हमर तिरंगा अभियान' पर आधारित फिल्म का लोकार्पण किया। जनसम्पर्क विभाग द्वारा इस अभियान पर हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा में दो अलग-अलग फिल्म तैयार कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि 11 अगस्त से 17 अगस्त के मध्य मनाए जा रहे स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में हमर तिरंगा अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के दौरान राज्य के गांव-गांव, शहर-शहर, घरों, शासकीय कार्यालयों, संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा हमर तिरंगा अभियान के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ के लोग उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं, जिनके बलिदानों और संघर्षों से हमारा देश आजाद हुआ और हमें स्वतंत्रता मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ के लोग इस अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय एकजुटता पर भी अपने गर्व को व्यक्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि इस अभियान के दौरान शासकीय, अशासकीय संस्थानों, दुकानों, इमारतों और घरों में राष्ट्रीय ध्वज अवश्य फहराएं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, जनसम्पर्क विभाग के संचालक सौमिल रंजन चौबे उपस्थित थे।

कांग्रेस के लिए आसान नहीं छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता बरकरार रखना

भाजपा को मिल सकता है धुव्रीकरण का लाभ

दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की नजर आगामी लोकसभा चुनाव पर है। इन चुनाव में जीत हासिल करने के लिए पार्टी ने अपने सभी विकल्प खुले रखे हैं। पर वर्ष 2024 तक पहुंचने से पहले पार्टी को कई इम्तिहान से गुजरना होगा। इस साल गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव के बाद अगले साल मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव हैं। इन्हें लोकसभा का सेमीफाइनल माना जाता है।

हिमाचल और गुजरात में पहली परीक्षा

वर्ष 2024 से पहले कई अहम प्रदेशों सहित 11 राज्यों में चुनाव हैं। पहली परीक्षा हिमाचल प्रदेश और गुजरात चुनाव है। हिमाचल प्रदेश में हर पांच साल में सत्ता बदलती रही है, इसलिए कांग्रेस के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। गुजरात में पार्टी की स्थिति वर्ष 2017 के मुकाबले बहुत अच्छी नहीं है। ऐसे में पार्टी के सामने पिछला प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और कर्नाटक पर पूरा ध्यान

कांग्रेस का पूरा ध्यान राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और कर्नाटक पर है। पार्टी रणनीतिकार मानते हैं कि कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बरकरार रखते हुए मध्य प्रदेश और कर्नाटक जीत लेती है, तो इसका फायदा लोकसभा में मिल सकता है। पर यह आसान नहीं है। क्योंकि, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में पार्टी अंतर्कलह से जूझ रही है।

मध्य प्रदेश : निकाय चुनाव में अच्छे प्रदर्शन से जगी उम्मीद

मध्य प्रदेश स्थानीय निकाय के चुनाव में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया था। प्रदेश कांग्रेस के नेता मानते हैं कि लोग भाजपा से नाराज हैं। ऐसे में पार्टी को चुनाव में इसका लाभ मिल सकता है। पार्टी के लिए राजस्थान और छत्तीसगढ़ बेहद अहम है, क्योंकि इन दोनों राज्यों में ही कांग्रेस की अपने दम पर सरकार है। पर इन दोनों राज्यों में आपसी झगड़ा भी चरम पर है।

छत्तीसगढ़ और कर्नाटक : आंतरिक संघर्ष पर काबू पाना होगा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को भाजपा से कोई खास चुनौती नहीं है। क्योंकि, भाजपा के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव की तकरार चुनाव में पार्टी की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। ऐसे में पार्टी को चुनाव से पहले अपना घर दुरुस्त करना होगा। इसी तरह कर्नाटक में भी कांग्रेस के लिए आंतरिक संघर्ष पर काबू पाने की चुनौती है।

राजस्थान : गहलोत और पायलट का झगड़ा चुनौती

राजस्थान में भी हर पांच साल पर सत्ता बदलती है। इसके साथ पिछले कुछ माह में सांप्रदायिक धुव्रीकरण बढ़ा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट का झगड़ा किसी से छुपा नहीं है। ऐसे में पार्टी को अपनी सरकार बरकरार रखने के लिए काफी जद्दोजहद करनी होगी। पार्टी को चुनाव में भाजपा की गुटबाजी का भी फायदा मिल सकता है।

पीएम आवास योजना में कई राज्यों का ढीला रवैया, बंगाल और छत्तीसगढ़ सबसे पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई राज्यों के ढीले रवैये के चलते गरीबों के लिए घर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना अपने लक्ष्य से पिछड़ गई है। इस योजना को पूरा करने के लिए दो वर्ष का विस्तार दिया गया है। गरीबों के लिए घर बनाने में छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल जैसी सरकारें बहुत पीछे हैं। केंद्र इन राज्यों के खराब प्रदर्शन से नाराज है और इसे लेकर इ राज्यों को कई बार चेतावनी और अल्टीमेटम जारी किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ योजना में अपना हिस्सा जारी नहीं कर रहा, जिससे गरीबों के पक्के घर बनने तो दूर कई जगहों पर काम भी शुरू नहीं हो पाया है। बंगाल में योजना के प्रारूप को ही बदलने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी व ग्रामीण) के खराब प्रदर्शन पर चिंता जताई है।

केंद्र ने ढीले रवैये पर जताई नाराजगी

केंद्र ने अपने पत्र में पिछले साल 17 जून, 15 सितंबर और 17 नवंबर को लिखे पत्रों का हवाला देते हुए राज्य सरकार के ढीले रवैये पर नाराजगी जाहिर की है। इसमें योजना के मद में राज्यों की हिस्सेदारी वाली धनराशि जारी करने में हो देरी पर नाराजगी जताई गई है। पत्र में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में ग्रामीण गरीबों के लिए वर्ष 2021-22 में 7.82 लाख आवास का निर्माण किया जाना था, लेकिन राज्य सरकार की ओर से अपने हिस्से की धनराशि जारी न करने से गरीबों के मकान नहीं बनाए जा सके। इस संबंध में केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारियों की कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है।

पीएमएवाई योजना पर असर

गरीबी उन्मूलन के लिहाज से पीएमएवाई को बेहद अहम योजना माना जाता है, लेकिन राज्य सरकारों की लापरवाही से इसे निर्धारित समय में पूरा नहीं किया जा सका। इसी कारण केंद्र ने योजना पूरा होने का समय मार्च 2024 तक बढ़ा दिया।

छत्तीसगढ़ में सबसे बुरे हालात

सरकारी सूत्रों ने कहा कि छत्तीसगढ़ एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पिछले तीन से चार वर्षों में पीएमएवाई-ग्रामीण योजना लगातार कठिनाइयों का सामना कर रही है। एक अधिकारी ने कहा कि पत्र में उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार अपनी मर्जी से यह तय नहीं कर सकती कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याण के लिए कुछ ग्रामीण विकास योजनाओं को लागू नहीं करेगी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय पीएमएवाई-जी के लिए नोडल एजेंसी ने पिछले साल जून, सितंबर और नवंबर में राज्य सरकार को राज्य द्वारा अपने हिस्से को जारी करने में देरी के बारे में लिखा था। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 7,81,999 मकान बनाने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, इस लक्ष्यको वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि राज्य ने अपना हिस्सा 562 करोड़ रुपये जारी नहीं किया था

शराबबंदी के बीच फिर से जहरीली शराब का कहर! छपरा में पांच की मौत

पटना (एजेंसी)। गुजरात के बाद बिहार में भी जहरीली शराब का तांडव जारी है। शराबबंदी के बीच यहां एक बार फिर से सारण जिले में पांच लोगों की मौत की खबर है। बताया जा रहा है कि सभी मौतें जहरीली शराब पीने की वजह से हुई हैं। आशंका है कि मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है।

बिहार के सारण में यह इस तरह की इसी महीने में दूसरी घटना है। जानकारी के मुताबिक, मढ़ौरा में दो और गड़खा में चार लोगों की मौत हुई है। पिछले दिनों भी जहरीली शराब का मामला सामने आया था, जिसमें करीब 13 लोगों की मौत हो गई थी। जहरीली शराब पीने की वजह से कई लोग अस्पताल में भर्ती भी हैं। इसमें कुछ की हालत गंभीर है। सदर अस्पताल में भर्ती रामनाथ महतो ने बताया कि भुवालपुर स्थित एक महिला के ठेके पर उन्होंने शराब पी थी, इसके बाद से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

बताया जा रहा है कि शराब पीने से हुई मौतों के बाद ठेके पर शराब बेचने वाली महिला, अपने परिवार के साथ फरार हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में अलाउद्दीन, कामेश्वर महतो, रामजीवन, रोहित सिंह व पप्पू सिंह शामिल हैं। मढ़ौरा एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही पुष्टि की जा सकेगी।

मालगाड़ी और रेल इंजन की जोरदार टक्कर, ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतरे, यातायात बाधित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ में रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ा हादसा हो गया। यहां मालगाड़ी और रेल इंजन की आपस में टक्कर हो गई। वहीं टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। वहीं इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही अप्रभावित रही।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी साकेत रंजन ने बताया कि घटना सुबह 11:40 बजे मुंबई-हावड़ा मार्ग पर रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहरी इलाके में रेलवे साइडिंग पर शंटिंग के दौरान हुई। उन्होंने कहा कि चलते हुए दो इंजन वाला लोकोमोटिव खड़ी खाली मालगाड़ी से टकरा गया जो पीछे की ओर से तीसरी लाइन के ट्रैक

(यूपी और डाउन लाइन) पर थी।

उन्होंने कहा कि जो लोकोमोटिव खड़ी मालगाड़ी से टकराया, उसे भी कुछ नुकसान हुआ है। देखने में ऐसा लगता है कि घटना में लापरवाही हुई है। लेकिन एक विस्तृत जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर से रेलवे अधिकारियों की एक टीम को मौके पर भेजा गया है और पटरी से उतरे लोकोमोटिव और वैगनों को बहाल करने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना तीसरी लाइन पर हुई, जिससे अन्य ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित नहीं हुई।

आकर्षि कश्यप ने अपनी खेल प्रतिभा से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया, प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात-भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन की सभी वर्ग की नेशनल चैम्पियन रही कु. आकर्षि कश्यप ने सौजन्य मुलाकात की। कु. आकर्षि कश्यप को हाल ही में राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 बर्किंघम में बैडमिंटन के टीम चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ है। गौरतलब है कि कु. आकर्षि कश्यप छत्तीसगढ़ की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कु. कश्यप को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कु. कश्यप ने अपनी खेल प्रतिभा से पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है, जो हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कु. आकर्षि को उनकी उपलब्धि के प्रोत्साहन के लिए राज्य शासन की ओर से शासकीय नौकरी प्रदान करने भी आश्वस्त

किया। मुख्यमंत्री बघेल को इस अवसर पर कु. आकर्षि कश्यप ने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में भारत के लिए पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर युक्त टी-शर्ट उपहारस्वरूप भेंट की।

उल्लेखनीय है कि 21 वर्षीय कु. आकर्षि कश्यप दुर्ग जिले की निवासी है। वे छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन खेलते हुए बैडमिंटन की सभी वर्ग की नेशनल चैम्पियन रही है। अंडर-13,15,17,19 में गोल्ड मेडल व सीनियर नेशनल में भी पदक हासिल किया। वे एशियन जूनियर तथा वर्ल्ड जूनियर में भी टीम इंडिया की सदस्य रही। इसके अलावा कु. कश्यप खेलो इंडिया में भी विजेता रही है। वे इंडोनेशिया एशियन गेम्स 2018 में भारतीय बैडमिंटन दल की सदस्य भी रही। कु. कश्यप साउथ एशियन गेम्स नेपाल में आयोजित खेल प्रतियोगिता में भी विजेता रही। साथ ही वे इंडियन बैडमिंटन की सीनियर वूमेन्स की सिंगल की प्रथम रैंक पर काबिज रही। वे एशिया टीम चैम्पियनशिप फिलीपीन्स 2022 और एशिया चैम्पियनशिप मलेशिया 2022 में भी भारतीय दल की सदस्य थी। हाल में वे बैकांक में आयोजित थामस व्ही उबेर कप में सम्मिलित थी। कु. आकर्षि कश्यप को ओलपिंक के 2024-2028 में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन ने उन्हें खेल पुरस्कार में सर्वोपरि गुण्डाधूर पुरस्कार तथा शहीद कौशल पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर विधायक देवेन्द्र यादव तथा डॉ. संजीव कश्यप भी उपस्थित थे।

भारी बारिश से बस्तर, रायपुर और दुर्ग संभाग लबालब, उत्तरी छत्तीसगढ़ में कम बरसात से बढ़ी चिंता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों में भारी बारिश हुई है। बस्तर में बारिश ने कहर बरपा दिया है। नदी-नाले उफान पर है। हाईवे डूब गए हैं, जिससे छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग से ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का संपर्क टूट गया है। बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले में भारी बारिश हुई है। संभाग की इंद्रावती, शबरी, मलगेर, तालपेरू, मिंगाचल, डंकनी और शंखनी नदी का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया। मौसम विभाग ने पहले दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर के 7 जिलों के लिए 72 घंटे का रेड अलर्ट जारी किया था। इस दौरान खूब बारिश हुई। इसके बाद मौसम विभाग ने मध्य छत्तीसगढ़ यानी रायपुर और दुर्ग संभाग में 24 घंटों के लिए 18 जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया था।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक मॉनसून द्रोणिका सौराष्ट्र, अहमदाबाद, रायसेन, सीधी, रांची, पुरुलिया, दीघा और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में 12 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इस दौरान आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। दो दिनों की तेज बारिश के बाद रायपुर शहर के निचली बस्तियों में पानी भर गया था। इधर भारी बारिश के बाद खेती-किसानी के काम में भी तेजी आ गई है। अच्छी बारिश से किसानों की चिंता दूर हो गई है। छत्तीसगढ़ के आधे हिस्से में अच्छी बारिश हुई है, लेकिन उत्तरी छत्तीसगढ़ में अभी भी सूखे के हालात हैं।

शिवनाथ नदी के बाढ़ में फंसे 11 को सुरक्षित निकाला

दो दिनों की भारी बारिश के बाद शिवनाथ नदी उफान पर है। राजनांदगांव के मोंगरा बैराज से 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने से शिवनाथ नदी के किनारे बसे गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। कई जिंदगियां भी बाढ़ में फंस गई, जिन्हें स्ठत्रत्न की टीम ने सुरक्षित निकाला। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना अंतर्गत ग्राम हरदी में बाढ़ में फंसे 8 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। दुर्ग के ग्राम डंडेसरा रात्रि से शिवनाथ नदी के किनारे सूखा नाला में एक बाड़ी में फंसे दंपति रमेश कुमार और रामपति को दुर्ग स्ठत्रत्न ने सुरक्षित निकाला। दुर्ग जिले के भरदा गांव में भी टोमन लाल ठाकुर, सहदुल यादव, पारसनाथ यादव को निकाला गया। कोनारी भरदा गांव में ईट भट्टे में यह फंस गए थे। दुर्ग कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा रात 2 बजे तक बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा करते रहे। रिहायशी इलाकों में भी गए, जहां बारिश का पानी भर गया था।

बस्तर, दुर्ग और रायपुर संभाग में अच्छी बारिश

बस्तर संभाग के बीजापुर में औसत से 126त्न अधिक बारिश हुई है। बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा, जगदलपुर, कांकेर और नारायणपुर में अच्छी बारिश हुई है। रायपुर संभाग के बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद तीन दिनों में अच्छी बारिश हुई है। दुर्ग जिले के कबीरधाम, राजनांदगांव, दुर्ग-भिलाई और बेमेतरा बारिश से सूखा खत्म हुआ है। उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में अभी भी सूखे जैसे स्थिति है। यहां सबसे कम बारिश हुई है। गुरुवार तक यहां 291.7 मिमी बरसात हुई। यह औसत से 63त्न फीसदी कम है। सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया और बिलासपुर संभाग के कोरबा जिले में भी बारिश सामान्य से कम है। सीएम भूपेश बघेल ने सरगुजा संभाग में नजरी आकलन के निर्देश जारी किए हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव

दीपक रंजन दास

कहते हैं जिस कौम को अपने इतिहास की जानकारी नहीं होती, उसे कोई भी-कभी भी बुद्धू बना सकता है। हालात यह हैं कि अब जाकर लोगों को बताना पड़ रहा है कि सन् 1947 में तिरंगा पहली बार 16 अगस्त को फहराया गया था। उधर देश अब तक बाबर (1519), मोहम्मद गोरी (11वीं शताब्दी) पर शोध कर रहा था। जब 1947 का ही ठीक से पता नहीं तो इससे पहले के इतिहास के बारे में तो कुछ भी बताया और समझाया जा सकता है। यह भी आरोप लगाया जाता रहा है कि स्कूल-कालेज में गलत इतिहास पढ़ाया जाता रहा है। कुछ किताबों को तो बदल भी दिया गया है। 200-500 या हजार साल पहले क्या हुआ था उसे जानना दिलचस्प हो सकता है पर उस इतिहास को जानना शायद ज्यादा जरूरी है जिससे हमारा आज सीधे तौर पर प्रभावित होता है। फिलहाल हम 1947 की ही बात करते हैं। भारत की आजादी की घोषणा 14-15 अगस्त, 1947 की दरम्यानी रात 12 बजे की गई थी। उस समय कौंसिल हाउस के ऊपर तिरंगा फहरा रहा था। तब का कौंसिल हाउस आज का संसद भवन है। 15 अगस्त को आजाद भारत की पहली सरकार को सुबह 10.30 बजे वायसरॉय लॉज में शपथ दिलाई जा रही थी। तब भी भारत का ध्वज तिरंगा इसके सेंट्रल डोम पर शान से लहरा रहा था। इस भवन को आज हम राष्ट्रपति भवन के रूप में जानते हैं। इसके अगले दिन 16 अगस्त को लाल किले की प्राचीर पर सुबह 8.30 बजे ध्वजारोहण कर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्र को संबोधित किया था। पर इससे पहले विभिन्न मुल्कों में भारतीय राजदूतों ने 15 अगस्त को ही प्रातः 8.30 बजे तिरंगा फहराकर भारत की आजादी का जश्न मनाया था। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त रघुनाथ परांजपे ने भी 15 अगस्त, 1947 को ही सुबह भारतीय समय 7.30 बजे ध्वजारोहण किया था। अंग्रेजों की गुलामी से आजाद होने वाला यह सबसे बड़ा देश था। एक दो बातें और जान लेना जरूरी होगा। आजादी के जश्न में महात्मा गांधी शामिल नहीं हुए थे। आजादी के साथ ही देश का बंटवारा भी हो गया था और बंगाल में जमकर मार-काट मची हुई थी। महात्मा गांधी नोआखाली (अब बांग्लादेश) में अनशन कर रहे थे। साम्प्रदायिक आधार पर देश के बंटवारे के बीज 1871 में पड़ चुके थे। उस समय की गई जनगणना ने ब्रिटिश हुकूमत का ध्यान हिन्दू मुस्लिम समीकरण की ओर खींचा था। 1905 में बंगाल विभाजन ने उनकी धारणा को और पुष्ट कर दिया था। भारत विभाजन के प्रस्ताव को कल्पना से परे बताने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को जब लगा कि अब तो विभाजन होकर रहेगा तब कांग्रेस में इस प्रस्ताव के पक्ष में समर्थन जुटाने में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई। पटेल नहीं चाहते थे कि पूरे भारत में दंगे हों। बंटवारा सिर्फ मुल्क का नहीं बल्कि सभी संसाधनों का हुआ था जिसमें ब्रिटिश इंडियन आर्मी, रॉयल इंडियन नेवी, रॉयल इंडियन एयरफोर्स, इंडियन सिविल सर्विस, इंडियन रेलवे, डाक तार विभाग एवं खजाना सबकुछ शामिल था।

संपादकीय

फिर बढ़ा संक्रमण

कोरोना का आतंक अगर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, तो इस समस्या पर अलग तरह से सोचने का समय आ गया है। प्रतिदिन 16 हजार से ज्यादा मामलों का दर्ज होना तो चिंताजनक है ही, उससे भी ज्यादा गंभीर है एक-एक दिन में 50 से ज्यादा लोगों की मौत। पिछले दिनों कोरोना का भय इसलिए कम हुआ, क्योंकि कोरोना से होने वाली मौतें न्यूनतम हो गईं। किसी भी बीमारी या महामारी का आतंक वहीं तक रहता है, जहां तक मौत की आशंका रहती है। अब अगर मौतों की संख्या बढ़ने लगी, तो फिर कोरोना का आतंक भी लौट आएगा। मौसमी तौर पर भी लोगों में अस्वस्थता बढ़ी है। खांसी-जुकाम के इस समय में कोरोना भी अस्पतालों पर दबाव बढ़ाने लगा है। भारत में कुल सक्रिय मामले 1,28,261 हो गए हैं।

> सितंबर 2020 में पहली लहर के दौरान प्रतिदिन 98 हजार मामले आ रहे थे, मई 2021 में दूसरी लहर के दौरान प्रतिदिन के मामले 4 लाख 14 हजार से भी ऊपर पहुंच गए थे। फरवरी 2022 में तीसरी लहर के दौरान 3 लाख 47 हजार के पार पहुंच गए थे। अगर अभी चौथी लहर दिख रही है, तो प्रतिदिन मामले 20 हजार के आसपास चल रहे हैं और शायद थोड़ी-सी सावधानी से हम कोरोना को पूरी तरह काबू में कर सकते हैं।

विशेष रूप से सात राज्यों में कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि भारत सरकार के लिए चिंता का विषय है। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने भी सात राज्यों को सतर्क किया है। दिल्ली, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु और तेलंगाना को लिखे पत्र में इशारा किया गया है कि भीड़भाड़ वाले आयोजनों से बचा जाए। इधर सामूहिक आयोजनों में वृद्धि देखी जा रही है, हर जगह भीड़ लौट आई है, पाबंदियां बीती बातें हो गई हैं। ऐसे में, स्थानीय स्तर पर मरीजों की संख्या देखते हुए पाबंदियों की वापसी में कोई हर्ज नहीं है। उन स्कूलों पर भी निगाह रखनी चाहिए, जहां मौसमी समस्याओं के अलावा कोरोना के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं और सभी को कोविड-अनुकूल व्यवहार बनाए रखना चाहिए, लेकिन कितने लोग सावधान हैं? शारीरिक दूरी की अनिवार्यता को खत्म समझ लिया गया है, हाथ की स्वच्छता में कमी आई है, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचना कम हुआ है। दरअसल, समस्या यही है, बीमारी के लक्षण लेकर भी लोग घूमने निकल जा रहे हैं। हाल ही में नेपाल ने संदिग्ध भारतीय पर्यटकों को लौटा दिया है और वह भारत में बढ़ते मामलों के मद्देनजर मेहमान भारतीयों पर निगाह रखता दिख रहा है। अभी कोई देश नहीं चाहेगा कि उसके यहां बाहर से कोरोना आए। अत: जहां लक्षण वाले लोगों को यात्रा व भीड़ में जाने से रोकने की जरूरत है, वहीं अस्वस्थ महसूस कर रहे लोगों को भी घर में ही रहना चाहिए।

सरकारी दिशा-निर्देश बिल्कुल स्पष्ट हैं। बुखार, सांस में तकलीफ, खांसी, सीने में जकड़न, बहती नाक, सिरदर्द, बीमार महसूस करना, न्यूमोनिया, किडनी में शिकायत, गंध की कमी (एनोस्मिया) या स्वाद की कमी (एजुसिया) को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इनमें से कोई भी शिकायत होने पर कोरोना जांच की सलाह दी गई है। कोई संदेह नहीं कि मृतकों की संख्या इसलिए भी बढ़ी होगी कि लोग जांच या इलाज में देरी कर रहे हैं। स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद कोरोना से किसी की जान चली जाए, तो यह बड़ी विफलता है। हम बेहतर सामुदायिकता का परिचय देते हुए स्वस्थ रह सकते हैं। सितंबर 2020 में पहली लहर के दौरान प्रतिदिन 98 हजार मामले आ रहे थे, मई 2021 में दूसरी लहर के दौरान प्रतिदिन के मामले 4 लाख 14 हजार से भी ऊपर पहुंच गए थे। फरवरी 2022 में तीसरी लहर के दौरान 3 लाख 47 हजार के पार पहुंच गए थे। अगर अभी चौथी लहर दिख रही है, तो प्रतिदिन मामले 20 हजार के आसपास चल रहे हैं और शायद थोड़ी-सी सावधानी से हम कोरोना को पूरी तरह काबू में कर सकते हैं।

ज्ञान को सहृदयता से जोड़ें

मैं शायद सबसे लंबे समय से बतौर अतिथि भारत में रह रहा हूं, और मैंने इस देश के घटनाक्रमों को काफी करीब से देखा है। यह वाकई बेहद सराहनीय है कि भारत अपने मजबूत लोकतांत्रिक स्थायित्व को बनाए रखने में सक्षम रहा है। और तमाम चुनौतियों के बावजूद इस देश ने जिस तेजी से तरक्की की है, वह चौंकाने वाली है। हालांकि, एक क्षेत्र में मैं इस महान देश के लोगों को अवश्य प्रोत्साहित करना चाहूंगा, और वह क्षेत्र है, प्राचीन भारतीय ज्ञान में भारतीयों की रुचि पुनर्जीवित करने का, खासकर इसके करुणा और अहिंसा जैसे सिद्धांतों के बारे में। इन मूल्यों का विकास न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा योगदान होगा।

सन 1959 में जब हम यहां आए, तो भारत सरकार ने उदारतापूर्वक हमें वह जगह दी, जहां हम तिब्बती छात्रों और हजारों तिब्बती (बौद्ध) भिक्षुओं को प्रशिक्षित कर सके। उनके जरिये हमने प्राचीन भारतीय ज्ञान को जीवित रखा है। भारत के पास दर्शन और तर्क का एक लंबा इतिहास है और मुझे ऐसा लगता है कि धर्मनिरपेक्ष नजरिये वाले इसके प्राचीन ज्ञान को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा सकता है। 21वीं सदी की दुनिया को प्राचीन और आधुनिक ज्ञान के संयोजन की आवश्यकता है।

लोगों को साथ-साथ खुशी से रहने के लिए अहिंसा और करुणा जैसे गुणों की आवश्यकता होगी, क्योंकि ये मानवीय मूल्य न केवल तार्किक अर्थ रखते हैं, बल्कि इनके तात्कालिक व्यावहारिक लाभ भी हैं, चाहे आप धार्मिक व्यक्ति हों या नहीं। मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं कि यदि लोग अपने दैनिक जीवन में करुणा और अहिंसा पर अधिक ध्यान दें, तो दुनिया एक बेहतर जगह होगी। जिस तरह से हमलोग अपनी शारीरिक स्वच्छता को बनाए रखने के लिए काम करते हैं, उसी तरह से हमें अपने भीतर भावनात्मक स्वच्छता को विकसित करने की जरूरत है। हमें सीखना चाहिए कि अपने क्रोध, चिंता और भय से कैसे निपटें और इन्हें कैसे काबू में रखें? याद रखें, शांति और खुशी का स्रोत अंतत सहृदयता ही है। हमारे भीतर ऐसा कुछ है, जिसे हम न तो खरीद सकते हैं और न ही किसी मशीन में पा सकते हैं। इसकी खेती तो हमें अपने अंदर ही करनी होगी। हमें अपनी बुद्धि को सहृदयता के साथ जोड़ना होगा। इस तरह से हम अपने लिए और अपने आसपास के लोगों के लिए खुशी पा सकते हैं।

मेरी मान्यता है कि भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो आधुनिक शिक्षा को मानसिक-कार्यप्रणाली की प्राचीन भारतीय समझ के साथ जोड़ सकता है। पूरी दुनिया को इसकी आवश्यकता है। अगर हम सब मिलकर काम करें, तो हम पूरी धरती के कल्याण के लिए एक नया भारतीय योगदान दे सकते हैं।

दलाई लामा, बौद्ध धर्मगुरु

> "हमारा देश उन तमाम महापुरुषों ने गढ़ा है, जिन्होंने इसे इस मुकाम पर लाने के लिए अपना खून-पसीना एक कर दिया। जाहिर है, नई पीढ़ी के लिए एकमात्र रास्ता यही है कि वह खड़ी हो जाए और भविष्य में तेज गति से आगे बढ़े, और यह सुनिश्चित करे कि 100 साल का भारत शांतिपूर्ण समृद्धि और सद्भावपूर्ण विकास का प्रकाशस्तंभ बने।

पचहत्तर साल के युवा भारत से उम्मीदें

सृजनपाल सिंह, संस्थापक, कलाम सेंटर

दुनिया में सर्वाधिक युवा आबादी भारत में है। कुल जनसंख्या का करीब 66 प्रतिशत, यानी लगभग 75 करोड़ भारतीय 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। इन नौजवानों को अमूमन हमारी सबसे बड़ी ताकत माना जाता है, और यही कारण है कि दुनिया भारत के भविष्य को लेकर मुतमइन है। हम एक पुरानी सभ्यता और एक युवा राष्ट्र हैं। वैश्विक मानचित्र के कई पटल पर हमारी मौजूदगी है, क्योंकि हमने वक्त-वक्त पर अपनी दृढ़ता, मजबूती और उदारता का परिचय दिया है। चुनौतियों को स्वीकार करने और बाधाओं के बावजूद सफल होने की कुव्वत भारतीयों में है, जिस कारण भारत आज उन देशों के साथ मुकाबला कर रहा है, जिन्होंने सदियों पहले आजादी हासिल की थी।

भारत 75 साल का हो रहा है। इस जनसांख्यिकीय लाभांश को राष्ट्रीय विकास और खुशहाली में बदलने के लिए हमें स्पष्ट रूपरेखा बनानी होगी। अगर यह काम रचनात्मक तरीके से हो सका, तो सभी क्षेत्रों में हम इसका फायदा उठा सकेंगे। और अगर नहीं कर सके, तो यकीनन इसके परिणाम अनिष्टकारी हो सकते हैं। सबसे पहले तो नौजवान भारतीयों को इस बाबत जागरूक करना होगा कि वे अपना ध्यान सही दिशा में लगाएं। पिछली बातों को लेकर आज उलझना गलत होगा। युवा भारत को अपने समृद्ध इतिहास से सीखना चाहिए। हालांकि, कुछ खास ऐतिहासिक घटनाओं के औचित्य पर अनवरत ध्यान लगाने से सीमित नतीजे हासिल होंगे। आपस में एकजुट होकर हम किस तरह से उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं, इस दिशा में प्रयास करने से निस्संदेह हम नई-नई प्रौद्योगिकी, आविष्कार, पेटेंट और सफलताएं हासिल कर सकेंगे।

दूसरी बात, दुनिया 'सुपर स्पेशलाइजेशन' के दौर से गुजर रही है। भारत के नौजवान यदि कार्य-बल में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें अपने कौशल निर्माण और बदलते उद्योग को लेकर जागरूक होना चाहिए। आने वाले समय में ऑटोमेशन कई नौकरियों को लील लेगा। कृत्रिम बुद्धिमता, यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कारें चलेंगी, ड्रोन से उत्पाद व सेवा मुहैया कराए जाएंगे और पेट्रो उत्पादों से चलने वाले इंजन की जगह इलेक्ट्रिकल व हाइड्रोजन इंजन काम आएंगे। आज के नौजवानों को खुद से यह पूछना चाहिए कि क्या वे इस नई दुनिया का सामना करने को तैयार हैं?

तीसरी बात, नौजवानों को बड़े सपने देखने चाहिए। जैसा कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम कहा करते थे, सपने वे नहीं होते, जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं, जो आपको सोने नहीं देते। हमें अपने-अपने परिवार और अपने राष्ट्र के लिए बड़े-बड़े, यहां तक कि असंभव सपने भी देखने चाहिए। हमें अपनी सोच को व्यापक बनाना होगा और न सिर्फ अपना करियर बनाने के लिए, बल्कि दुनिया बदलने के लिए भी तैयार रहना होगा। कोविड-19 टीकों को विकसित करने के क्षेत्र में भारत की सफलता इस बात का ज्वलंत प्रमाण है कि लक्ष्य बनाकर काम करने से चुनौतीपूर्ण समय में भी सफलता हासिल की जा सकती है।

चौथी बात, भारत के नौजवानों को किसी खतरे से नहीं डरना चाहिए। कोई भी बड़ी सफलता तमाम अनिश्चितताओं से जूझने के बाद ही हासिल होती है। हमें यह सोचकर कोई नौकरी नहीं करनी चाहिए कि वह 'सुरक्षित' है। यह चार दशक पहले की सोच मानी जाएगी। 75 साल का भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जिसमें दुनिया निवेश को तैयार है। ऐसे वक्त में, जब अमेरिका बंटा हुआ है, यूरोप बुजुर्ग हो रहा है और चीन व रूस सबसे पसंदीदा राष्ट्र नहीं रहे, तब भारत निश्चय ही ऐसी भूमि है, जहां तमाम तरह के अवसर उपलब्ध हैं। यहां की युवा प्रतिभाओं की मौलिक सोच दुनिया भर में बाजार और समर्थन हासिल कर सकती है। देश के नौजवानों को पता होना चाहिए कि पिछले 300 वर्षों में यह पहली बार है, जब दुनिया भारत को एक उभरती हुई ताकत के रूप में देख रही है।

पांचवीं बात, भारत के नौजवानों को अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। कई पश्चिमी देशों ने पिछले चार-पांच दशकों में आर्थिक तरक्की की है, लेकिन वे आज भी संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि उनका समाज टूट गया है और परिवार में बिखराव है। भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी ताकत उसकी बहु-सांस्कृतिक मूल्य प्रणाली है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी भाषाएं और हमारी आस्था हमारे समाज की अंतर्निहित ताकतें हैं। कई लोग सोचते हैं कि भारत में अनुशासन की कमी है, पर दुनिया को देखें, तो सच्चाई समझ में आ जाती है। दुनिया में कहीं भी लोग इतने परिवारोन्मुख, माता-पिता या अभिभावक के प्रति इतने सम्मानजनक और बिना किसी दबाव के इतने आत्म-नियंत्रित नहीं हैं। बेशक हम में सुधार की गुंजाइश है, लेकिन हमें इस पश्चिमी सोच के आगे समर्पण नहीं करना चाहिए कि हमारे समाज में अनुशासन नहीं है। राष्ट्र के विकास का मकसद तभी हासिल होता है, जब नागरिक खुश हों, और यह खुशी सिर्फ आर्थिक विकास से नहीं, आध्यात्मिक राहों से भी हासिल की जा सकती है।

आखिरी बात, भारत के नौजवानों को अपनी सेहत पर भी ध्यान देना चाहिए। भारत दुनिया भर में मधुमेह और हृदय रोग का मुल्क बनकर उभरा है। चिंता की बात यह है कि इन रोगों के ज्यादातर मामले नौजवानों में सामने आ रहे हैं। भारत में हृदयाघात के शिकार लोगों में आधे 50 साल से कम उम्र के पुरुष हैं और 25 फीसदी की आयु 40 साल से कम है। यदि नौजवान बीमार रहेंगे, तो युवा शक्ति का कोई अर्थ नहीं। इसका मतलब यह है कि हमें स्वस्थ खान-पान और स्वस्थ आदतों पर ध्यान देना चाहिए, और सबसे जरूरी यह कि हम अपना मानसिक तनाव कम करें।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था, भविष्य को लेकर मेरी उम्मीद सद्चरित्र, बुद्धिमान, दूसरों की सेवा के लिए सब कुछ त्याग करने वाले और आज्ञाकारी युवाओं से बंधी है। ये गुण उनके लिए भी अच्छे हैं और देश के लिए भी। हमारा देश उन तमाम महापुरुषों ने गढ़ा है, जिन्होंने इसे इस मुकाम पर लाने के लिए अपना खून-पसीना एक कर दिया। जाहिर है, नई पीढ़ी के लिए एकमात्र रास्ता यही है कि वह खड़ी हो जाए और भविष्य में तेज गति से आगे बढ़े, और यह सुनिश्चित करे कि 100 साल का भारत शांतिपूर्ण समृद्धि और सद्भावपूर्ण विकास का प्रकाशस्तंभ बने।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हर घर को एक तिरंगा चाहिए और हर तिरंगे को घर

विजय विद्रोही, वरिष्ठ टीवी पत्रकार

सुबह-सुबह संघ के एक स्थानीय कार्यकर्ता घर पर तिरंगा दे गए, झंडा भी और डंडा भी। देश भर में ऐसा ही कुछ हो रहा है। घर-घर तिरंगा फहराने की मुहिम को अमली जामा पहनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय नजर आ रहा है, तो क्या यह माना जाए कि हर घर तिरंगा फहराने की अपील भाजपा और संघ का मास्टर स्ट्रोक है? विपक्षी दल इसे समझ रहे हैं। यही वजह है कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार 25 लाख तिरंगे बांट रही है। केरल में वाम मोर्चे की विजयन सरकार ने लोगों से घर पर तिरंगा फहराने और आजादी की 75वीं वर्षगांठ को उल्लास से मनाने की अपील की है। तेलंगाना की चंद्रशेखर राव की सरकार ने एक करोड़ बीस लाख तिरंगे हथकरघा उद्योग से खरीदे हैं। आंध्र में जगन मोहन रेड्डी सरकार एक करोड़ 62 लाख तिरंगे बांट रही है। आजादी के अमृत महोत्सव से दूर रहने वाली ममता बनर्जी सरकार ने जनता से गरीबों के साथ समय बिताने को कहा है। ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार ने भी लाखों तिरंगा जनता में वितरित किया है।

इतिहास में जाएं, तो 26 जनवरी, 1929 को लाहौर के कांग्रेस अधिवेशन में तय किया गया था कि अगले साल से 26 जनवरी को तिरंगा घर-घर फहराया जाएगा। अगले साल देश भर में आजादी के दीवानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिरंगा फहराया और सौ से ज्यादा शहीद भी हुए। मैसूर में तो वहां के राजा ने गोली चलवाई, जिसमें 40 लोग शहीद हुए। राजस्थान में अलवर के महाराजा ने होप सर्कस पर तिरंगा लहरा रहे लोगों पर लाठियां चलवाई थीं। तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व हिंदू महासभा ने तिरंगा फहराने का समर्थन नहीं किया था। उनका कहना था, भगवा ध्वज ही असली राष्ट्रीय झंडा है। आजादी के साथ तिरंगे का नया प्रारूप तैयार किया गया। चरखे की जगह अशोक चक्र लगाया गया, जो प्रगति का प्रतीक माना गया। तीन रंग आजादी, भारतीयता, भाईचारा के प्रतीक माने गए, पर इसका विरोध भी हुआ। कहा गया, तीन रंग अशुभ होते हैं।

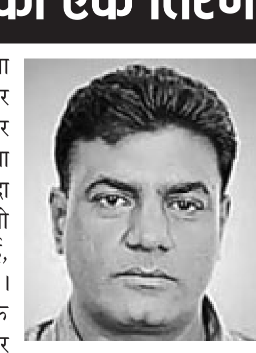

समय बदल रहा है और राजनीति में नए प्रकार के राष्ट्रवाद की जगह तैयार की जा रही है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के साथ किए गए एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि 50 फीसदी लोगों का मानना है कि 'भारतमाता की जय' न बोलने वालों को सजा मिलनी चाहिए, 28 फीसद ने इससे असहमति जताई, पर यह संख्या काफी कम दिखती है। इसी तरह 59 फीसद ने कहा कि राष्ट्रगान के समय खड़े नहीं रहने वालों को सलाखों के पीछे भेज दिया जाना चाहिए। इस सर्वे के हिसाब से देखा जाए, तो हर घर तिरंगा, आजादी का अमृत महोत्सव और 75वीं वर्षगांठ जैसे कार्यक्रमों से भाजपा को उम्मीद है कि इससे वोटबैंक में बढ़ोतरी होगी या फिर महंगाई, बेरोजगारी के कारण प्रतिकूल असर को थाम लिया जाएगा।

हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का मुद्दा भाजपा को थाली में सजाकर देने वाला विपक्ष इसे समझ भी रहा है और प्रतिक्रिया भी दे रहा है। जैसे तिरंगे का महत्व केजरीवाल पहले ही समझ गए थे। अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान रामलीला मैदान में तिरंगा ही लहराता नजर आता था। केजरीवाल ने दिल्ली में जगह-जगह विशालकाय तिरंगे लगवा दिए। वैसे राजस्थान में अशोक गहलोत ने जयुपर के सेंट्रल पार्क में केजरीवाल से पहले ही बड़े आकार का तिरंगा लगाया था। संघ की तरह वाम दलों पर भी आजादी के आंदोलन से दूर रहने का आरोप लगता रहा है। अब केरल में वामपंथी गठबंधन की सरकार तिरंगे के साथ सामूहिक जागरण कर रही है। तेलंगाना सरकार एक पखवाड़े तक स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव मना रही है। ममता बनर्जी इस बहाने सुभाष चंद्र बोस और अरविंदो को याद कर रही हैं। पर जोश हर जगह समान नहीं है। यहां धूमिल की कविता याद आती है, जिसमें उन्होंने सवाल उठाया था। क्या आजादी सिर्फ तीन थके हुए रंगों का नाम है, जिन्हें एक पहिया ढोता है या इसका कोई खास मतलब होता है? धूमिल ने जो सवाल उठाया था, उसे ही एक कार्टून के जरिए भी सामने रखा गया है। एक आदमी हाथ में तिंरगा लिए खड़ा है। दूसरा सरकारी प्रतिनिधि से पूछ रहा है कि इस आदमी के पास तिरंगा है और यह इसे लहराने के लिए घर मांग रहा है। हर घर को एक तिरंगा चाहिए, हर तिरंगे को घर भी चाहिए। इस प्रण या नारे के साथ तिरंगे फहराए जाएं, तो बात बने।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

प्रेम अमोघ हथियार है, कितनी भी नफरत हो प्रेम के छीटें पड़ते ही मुस्कुराहट आ ही जाती है।

-अंजली जैन
7024460938

गायब होती चिट्ठियां, लेकिन तत्काल मिलने लगे संदेश

प्रयाग शुक्ल, कवि और कला मर्मज्ञ

जब मैं कोलकाता में रहता था, ग्यारह-बारह की उम्र रही होगी। पढ़ना-लिखना शुरू ही हुआ था कि एक कविता सामने आई थी- मुझे तोड़ लेना वनमाली/ उस पथ पर देना तुम फेंक/ मातृ-भूमि पर शीश चढ़ाने/ जिस पथ जावें वीर अनेक।

कवि माखनलाल चतुर्वेदी की इन पंक्तियों ने देशप्रेम का गहरा एहसास जगाया था। कितना सुंदर समय था, देश नया-नया स्वतंत्र हुआ था। यह भाव ही खुशी से भर देता था कि 1940 में मेरा जब जन्म हुआ, तब देश गुलाम था और जब मैंने होश संभाला, तब देश आजाद था। तब मैथिलीशरण गुप्त का भी गहरा प्रभाव था, पढ़ने-लिखने वाले घरों तक उनकी खूब पहुंच थी और बाद में रामधारी सिंह दिनकर आए। मुझे तब रामचंद्र शुक्ल की चंद पंक्तियों ने भाव-विभोर कर दिया था। उन्होंने कहा था, राष्ट्र केवल लोगों से नहीं बनता, वह बनता है अपने पर्वतों, नदियों, वनस्पतियों, फलों-फूलों और मौसम से। राष्ट्रवाद राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि संस्कृति, प्रकृति, परिवेश की संपूर्णता में साकार हो, तभी बात बनती है। हम स्वयं को केवल देश की राजनीति से जोड़कर क्यों देखें? मैं तो स्वयं को अपने देश के बड़े लेखकों, कलाकारों से जोड़कर देखता हूं। इस देश की विविधता से हमने कितना कुछ पाया है। विविधता केवल लोगों में नहीं है, यह कला, साहित्य, संस्कृति में भी अद्भुत है। 1960 के दशक में हरेक क्षेत्र की तरह साहित्य में भी मोहभंग का समय आया, लेकिन एक नई पीढ़ी भी आई। मोहभंग के साथ एक नए भारत का निर्माण भी संभव हुआ। यह हमारी देशी आधुनिकता के बनने का समय था। अशोक वाजपेयी सही इशारा करते हैं कि हमारी कलाओं के विभिन्न रूप आजादी के बाद ही विकसित हुए हैं, आजादी से पहले इनका यही रूप नहीं था। वैसे आज पुराने पर ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। कई लोग बिसुरने लगते हैं, वह कितना अच्छा समय था, लेकिन ऐसे नहीं सोचना चाहिए। यह समय भी सुंदर है, मैं नए लेखकों से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ा हूं। बड़े अच्छे बदलाव हो रहे हैं। दक्षिण का पहला बड़ा आधुनिक संग्रहालय खुलने जा रहा है, यह सरकारी मदद से नहीं, कलाप्रेमियों के प्रयासों से बेंगलुरु में खुलने जा रहा है। कवियों-

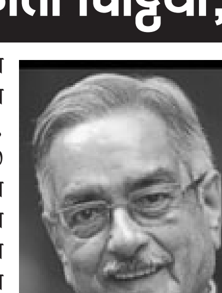

लेखकों की गोष्ठियां भले कम हुई हों, पर कला प्रदर्शनियां बहुत बढ़ गई हैं। पहले के दौर में कविता संग्रह को लोगों के बीच पहुंचने में सात-आठ साल लग जाते थे, पर अब कुछ ही देर में कविता हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। सोशल मीडिया के जरिये यह संभव हुआ है। सोशल मीडिया भी साहित्य व कला के लिए बड़ी कामयाबी है। सृजन की तत्काल समीक्षा होने लगी है।

कला-साहित्य की अच्छी चीजों की ओर हमारा ध्यान जाए, तो हमारा देशप्रेम और जागेगा। माध्यम तो बहुत आ गए हैं, लेकिन शब्द कहीं नहीं गया, वह तो हमारे साथ मुस्तैदी से खड़ा है। आस्था शब्द के साथ रहे, तो कतई परेशान होने की जरूरत नहीं। हां, पहले की तरह अब कविता पाठ नहीं होते हैं, पर अब उसका जो भी साइबर स्वरूप है, उसके प्रति मैं कतई निराश नहीं हूं। जीवन में डिजिटल का व्यवहार हो सकता है, पर डिजिटल हमारा जीवन नहीं हो सकता। आभासी दुनिया तो रहेगी, पर उस दुनिया को कैसे भुला दिया जाए, जहां कभी अज्ञेय, शमशेर इत्यादि विभूतियों ने हमें छुआ था? हम अंत समय में मुक्तिबोध की शय्या के निकट जा खड़े हुए थे। मिलना-जुलना कम हुआ है, लेकिन यह खत्म नहीं होगा। एक ही समय में कई तरह की चीजें और कई तरह के लोग हैं।

पिछले 75 वर्षों में भोलापन अगर कम हुआ है, तो उसके कारणों में भी जाना चाहिए। पहले शहर छोटे थे, तो लोगों का परस्पर मिलना ज्यादा आसान था। मिलने को व्यापक बनाना होगा। जैसे पहले भी ऐसा होता था, कला प्रदर्शनी होती थी, तो उसी में कविता पाठ भी होता था। चिंता भी है कि इन 75 वर्षों में चिट्ठियां गायब हो रही हैं, लेकिन यह खुशी है कि किसी तक संदेश पहुंचाने के लिए अब इंतजार नहीं करना पड़ता है। इलेक्ट्रॉनिक संदेशों को बचाने पर हमारा ध्यान जाना चाहिए। हम जिन चीजों को बचाना चाहते हैं, उन्हें हमें खुद ही आगे आकर बचाना होगा। मेरी कविता की पंक्तियां हैं

तुम घटाना मत/ अपना प्रेम/ तब भी नहीं/ जब लोग करने लगें/ उनका हिसाब।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

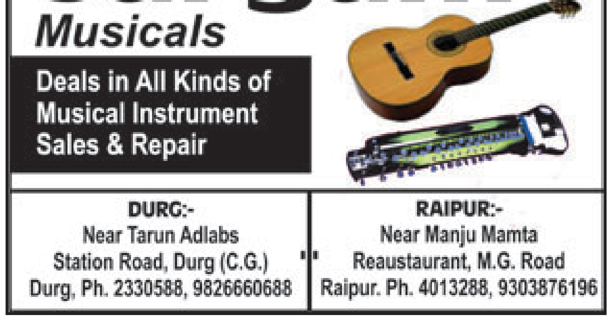

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

पदयात्रा : ग्रामीणों ने नेताओं के माथे पर तिलक लगाकर किया भव्य स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कार्यक्रम प्रभारी रेखचन्द जैन व जिलाध्यक्ष राजीव शर्मा के नेतृत्व में आजादी के 75 वर्षगांठ पर आजादी की गौरव यात्रा का आज तृतीय दिवस पर रक्षाबंधन के दिन भी कांग्रेसी क्षेत्र में डटे रहे। यात्रा विभिन्न ग्राम पंचायतों जिसमें जमावाड़ा 1, तोंडापाल, बिरनपाल, सल्फीगुड़ा, काकरवाड़ा इत्यादि ग्राम पंचायतों से होकर जमावड़ा 2 पहुंची। जहां बारिश के बावजूद भी ग्रामीणों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला, विभिन्न चौक चौराहों में पदयात्रा का भव्य स्वागत किया, पदयात्रा के दौरान पड़ने वाले धार्मिक स्थलों में विधिवत पूजा अर्चना कर बस्तर सहित छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। पदयात्रा में जगह-जगह बुजुर्गों का सम्मान कर बच्चों को चॉकलेट वितरित किया। नेताओं ने आजादी के इतिहास सहित भूपेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तार से जन-जन तक पहुंचाते हुए ब्रोसर वितरित किया, प्रमुख चौक चौराहों पर ग्रामीणों की उमड़ते जन

सैलाब को जनसभा के रूप में कांग्रेस नेताओं ने संबोधित भी किया।

? नेताद्वय ने बताया कि देश के प्रगति में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरु, सरदार वल्लभभाई पटेल,लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी सहित समस्त स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों व महापुरुषों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। किसानों, मजदूरों, तथा आमजनों की जरूरतों में हमेशा कांग्रेस पार्टी खड़ी रही। गरीबों महिलाओ व युवाओं के विकास में तत्परता के साथ कांग्रेस सरकार खरी उतरी है। नेताद्वय ने आगे कहा कि मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने है तब से अब तक सिर्फ और सिर्फ जनता के साथ वादाखिलाफी ही हुई है। महंगाई, ईंधन,रसोईगैस, तेल, पेट्रोल,दाल अनाज की किमत आसमान छू रही है। नोटबन्दी ने इंसानों की जान ले ली है। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार का पूरी दुनिया मे डंका बज रहा है। देश के प्रधानमंत्री ने भी इनके कार्यो को सराहा है, प्रदेश की भूपेश सरकार ने किसानों के आय श्रोत को बढ़ाया है, महिलाये आत्मनिर्भर बनी है। आसमान से बरसती वर्षा भी आजादी की इस गौरव यात्रा में निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के कदम रोक नहीं पाई, आज़ादी की गौरव यात्रा ग्रामीण अंचलों के जिस-जिस ग्राम-पंचायत से गुजरी क्षेत्र की महिलाओ,बुजुर्ग सहित युवाओं ने गर्मजोशी से स्वागत कर पदयात्रा में सम्मिलित हुए।

आज़ादी की इस गौरव यात्रा में प्रदेश/जिला/ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, सेवादल, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस,एनएसयूआई सहित अन्य प्रकोष्ठ/विभाग के पदाधिकारी/समन्वय समिति/सोशल मीडिया के प्रशिक्षित सदस्यों,नगर निगम/त्रि-स्तरीय पंचायत/सहकारिता क्षेत्र के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ कांग्रेसी व कार्यकर्तागण सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आजदी की 75 वी वर्षगांठ हीरक महोत्सव गौरव पदयात्रा के दूसरे दिवस ग्राम पूरी में महात्मा गांधी जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर उपस्थित जन समूह के साथ आजादी में शहीदों की शहादत आजादी के लिए असंख्य देशवासियों के बलिदान को याद कर जिला अध्यक्ष शरद लोहाना की अगुवाई में प्रारंभ हुई यह पदयात्रा ग्राम पूरी से प्रारंभ होकर ग्राम बोडरा (क) से कसही पहुची ग्राम कसही में भोजन विश्राम के पश्चात पदयात्रा पुनः प्रारंभ होकर डाही, हँकारा, सेमरा (डी) होते हुए सेनचुवा जहाँ सभा पश्चात पदयात्रा का समापन हुआ. पदयात्रा के दौरान पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि जनता से संवाद कर रहे हैं।

कन्या परिसर परचनपाल की छात्राओं ने सैनिकों के साथ मनाया राखी का पर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।। बस्तर ब्लॉक के कन्या शिक्षा परिसर परचनपाल की कुछ छात्राए भारी बारिश के चलते राखी मनाने अपने घर नही जा सकी, क्योकि पूरे संभाग के बच्चे इस आवासीय विद्यालय में पढ़ते है।तो सभी का जाना भी सम्भव नही हो पाता है । तो जो बच्चे नही जा पाए उन्होंने राखी मनाने की मंशा व्यक्त की, तो उनके खुशी के लिए शिक्षक समीर मिश्रा ने एनसीसी के मेजर और सीईओ से चर्चा की और इस राखी को नई शुरुआत की गई।

ज्ञात हो कि हमारे सैनिक भी अपने घर नही जा पाते,तो उनकी राखी भी सुनी रहती है। इसी सोच के साथ ये प्रस्ताव रखा जिसे सीईओ ने सहर्ष स्वीकार किया और कन्या शिक्षा परिसर में एनसीसी के अधिकारियों को राखी बांधकर छात्राएं बहुत खुश हुई।सभी छत्राओ ने सभी की आरती उतारी, तिलक लगाया राखी बांधी और मिठाई खिलाकर बड़ो का आशीर्वाद लिया। इसके बाद एनसीसी अधिकारी ने भी बच्चो को राखी के महत्व के बारे में बताया और सभी बच्चों को उपहार

और मिठाईयां भी दी,और ये आश्वासन भी दिया कि हम आपके सहायता के लिए हमेशा उपस्थित है। विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों ने भी आभार व्यक्त किया और अपनी खुशी जाहिर की..और हमेशा ऐसे ही राखी हर वर्ष मनाने की मंशा जाहिर की.।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य नोनहारे शिक्षक समीर मिश्रा और अधीक्षिका चंद्रमुखी शोरी ,देवेंद्र नागवंशी का विशेष योगदान रहा।

कांग्रेस की पदयात्रा के तृतीय दिवस रक्षाबंधन के महापर्व के दिन ग्रामीण अंचलों में बारिश की फुहारों में देशप्रेमी,बुजुर्ग व गोद मे बच्चों को लिए माताएं भी निकली आज़ादी की गौरव यात्रा में ...

आसमान की बरसती वर्षा भी आजादी की गौरव पदयात्रा में निकले कांग्रेसी कार्यकर्ता और आम नागरिकों के कदम रोक नहीं पाई। आजादी की हीरक महोत्सव पर 9 अगस्त से 14 अगस्त 2022 तक चलेगी कांग्रेस की 75 किलोमीटर की विधानसभा स्तरीय पदयात्रा। बहनों ने पदयात्रा का स्वागत कर नेताओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर लंबी उम्र व उज्जवल भविष्य की कामना कर यात्रा में सहभागी बनी। सिर पर गांधी टोपी व हांथों मे तिरंगा ध्वज लिए बढ़ती रही आज़ादी की गौरव यात्रा।

खास खबर

कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम रहमानकापा के आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया तत्काल रनिंग वाटर की व्यवस्था

कवर्धा। अगस्त कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र और स्कूल की सभी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इसी कड़ी में विगत दिनों कलेक्टर महोबे ने पंडरिया विकासखंड के ग्राम रहमानकापा के आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। जहां आंगनबाड़ी केंद्र में नल कनेक्शन में खराबी होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था करके पानी उपलब्ध कराया जा रहा था। कलेक्टर महोबे ने आंगनबाड़ी केंद्र के नल में तत्काल रनिंग वाटर की व्यवस्था करने के निर्देश पीएचई विभाग के अधिकारी जीपी गौड़ को दिए। कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में रनिंग वाटर की व्यवस्था कराई गई। अब आंगनबाड़ी केन्द्र के नल में पानी आने से बच्चों को स्वच्छ पानी मिल रहा है। वही पानी के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। कलेक्टर जनमेजय महोबे द्वारा जिले के आंगनबाड़ी और स्कूल की सुचारू व्यवस्था के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

जिला स्तरीय स्वीप कोर कमेटी का गठन

कवर्धा। अगस्त कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने जिला स्तर पर स्वीप कार्ययोजना के बेहतर क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण के लिए शासकीय, अशासकीय एवं सीएसओएस/एनजीओएस के अधिकारियों को सम्मिलित करते हुए जिला स्तरीय स्वीप कोर कमेटी का गठन किया गया है। जिला स्तरीय स्वीप कोर कमेटी में समन्वयक के रूप में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नियुक्त किया गया है। वहीं सदस्य के रूप में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला स्तरीय स्वीप नोडल अधिकारी, जिला स्तर पर नियुक्त डिस्ट्रीक आईकन और जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को नियुक्त किया है।

मुख्यमंत्री बघेल को पूर्व सांसद तथा राज्य महिला आयोग अध्यक्ष सहित अन्य बहनों ने बांधे रक्षासूत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक सहित अन्य बहनों ने राखी बांधे। बहनों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुदीर्ध और सुखमय जीवन की मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों के स्नेह के लिए उनका आभार जताया और उन्हें उपहार सामग्री भी भेंट की।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष, अन्त्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम सुश्री नीता लोधी, श्रीमती सीमा वर्मा, श्रीमती शारदा देवी वर्मा तथा श्रीमती किरण सिन्हा ने भी राखी बांधकर उनके सुदीर्ध और सुखमय जीवन की मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री को धरसींवा विधायक श्रीमती शर्मा ने बांधा रक्षासूत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में धरसींवा विधायक श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा ने राखी बांधी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर विधायक श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ, सुदीर्ध व सुखमय जीवन की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री ने श्रीमती शर्मा को रक्षाबंधन पर्व की बधाई देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ब्रह्मकुमारी बहनों ने बांधी राखी, ब्रह्मकुमारी बहनों ने मुख्यमंत्री बघेल के लिए की मंगलकामनाएं

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास कार्यालय में आज प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रायपुर की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्मकुमारी कमला दीदी के साथ आयी ब्रह्माकुमारी सविता दीदी एवं अन्य ब्रह्माकुमारी दीदीयों ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को राखी बांधी और उनके स्वस्थ, सुदीर्घ और खुशहाल जीवन के लिए मंगलकामनाएं की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस स्नेह और सम्मान के लिए ब्रह्मकुमारी दीदीयों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी वनीषा दीदी, ब्रह्मकुमारी सिमरन दीदी, ब्रह्मकुमार हिरेंद्र नायक और ब्रह्मकुमार महेश भाई सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बघेल को श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी की बालिकाओं ने बांधी राखी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आज शाम रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यहां उनके निवास परिसर में श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी की बालिकाओं ने राखी बांधी। बालिकाओं ने मुख्यमंत्री श्री बघेल की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके स्वस्थ सुदीर्धऔर खुशहाल जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने बालिकाओं से उनका हाल-चाल जाना और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी के संरक्षक श्री सुशील ओझा ने मुख्यमंत्री को बताया कि राजधानी रायपुर के संतोषी नगर में संचालित यह संस्था गरीब एवं जरूरतमंद परिवार के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है। बालिकाओं ने उन्हें स्मार्ट शिक्षा के लिए प्रोजेक्टर और श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी को भूमि आवंटन के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

राज्यपाल सुश्री उइके को मुख्यमंत्री बघेल ने रक्षाबंधन पर उपहार भेजकर दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रक्षाबंधन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने मुझे राखी भेजकर जो आत्मीयता और सद्भावना प्रेषित की है, वह भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और भी मजबूत बनाएगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आपकी राखी पाकर मुझे और मेरे परिवारजनों को सुखद अनुभूति हुई है। मुझे विश्वास है कि आपका स्नेह और आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहेगा। भाई के रूप में मैं अपना कर्त्तव्य निभाने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राज्यपाल सुश्री उइके को उपहार और मिष्ठान भेजकर उनके स्वस्थ, सुखी और यशस्वी जीवन की कामना की।

आजाद भारत में हुए सामाजिक सुधारों में स्वर्गीय मिनीमाता का योगदान अहम-मंत्री गुरु रुद्र कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वर्गीय मिनीमाता की 50वी पुण्यतिथि के अवसर पर पुण्य स्मरण का कार्यक्रम दुर्ग जिले के समोदा में आयोजित किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि आजाद भारत में अस्पृशयता मूलन अभियान में तथा महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में स्वर्गीय मिनीमाता का योगदान अहम रहा।

स्वर्गीय मिनीमाता का सामाजिक सुधारों में अहम योगदान रहा, चाहे बाल विवाह का विरोध हो अथवा सामाजिक सुधारों के लिए पहल की जरूरत हो। मिनीमाता हर मोर्चे पर अग्रणी रहीं और सभी वर्गों के विकास के लिए सदैव कार्य करती रहीं। आजाद भारत की नीतियों के निर्माण में उनकी भूमिका अहम रही।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि संसद में एक महिला आवाज के रूप में उन्होंने महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया। उनके विषय संसद के समक्ष रखे। स्वर्गीय मिनीमाता छत्तीसगढ़ी अस्मिता के प्रतीक के रूप में रहीं। छत्तीसगढ़ से प्रथम महिला सांसद के रूप में उन्होंने जो मानदंड कायम किए और जिन आदर्शों पर चलीं।

उन पर पूरी तरह अमल करने हम प्रतिबद्ध हैं। पूज्य गुरु घासीदास जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए सार्वजनिक जीवन में उन्होंने सबके समक्ष आदर्श रखे। सत्य और अहिंसा के जिन सिद्धांत पर वे आगे बढ़ीं। उन पर चलते हुए अपने प्रदेश को निरंतर मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी स्वर्गीय मिनी माता का पुण्य स्मरण किया तथा अपनी बात रखी।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

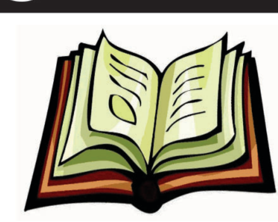

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 743.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 743.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 11 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1774.4 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 279.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 380.1 मिमी, बलरामपुर में 318.7 मिमी, जशपुर में 381.9 मिमी, कोरिया में 396.7 मिमी, रायपुर में 573.0 मिमी, बलौदाबाजार में 721.1 मिमी, गरियाबंद में 842.6 मिमी, महासमुंद में 726.6 मिमी, धमतरी में 912.8 मिमी, बिलासपुर में 778.3 मिमी, मुंगेली में 786.6 मिमी, रायगढ़ में 644.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 821.7 मिमी, कोरबा में 525.2 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 627.4 मिमी, दुर्ग में 717.3 मिमी, कबीरधाम में 711.3 मिमी, राजनांदगांव में 799.8 मिमी, बालोद में 898.4 मिमी, बेमेतरा में 502.3 मिमी, बस्तर में 1089.1 मिमी, कोण्डागांव में 855.0 मिमी, कांकेर में 970.5 मिमी, नारायणपुर में 860.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 1125.4 मिमी और सुकमा में 782.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

किसानों के उत्पादन बढ़ाने और देसी बीज बैंक की स्थापना करने के लिए बनी सहमति

रायपुर। किसानों को उनकी मेहनत का पूरा फल मिले। बिचौलिए उनके हक में डाका न डाल पाएं, कुछ ऐसी ही नीति बनाने जा रहा है कृषि विभाग। राज्य सरकार, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष की ओर से चिराग परियोजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला में इन मुद्दों पर चर्चा हुई। नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन के सभागार में परियोजना निदेशक चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में कार्यशाला रखी गई। इसमें नरवा, गरुवा, घुरुवा,बाड़ी और गोठान के अतर्गत कृषि उत्पाद आधारित प्रसंस्कारण इकाई की स्थापना करने को लेकर चर्चा हुई। विशोषज्ञों ने कहा कि कई मामले में किसानों का उत्पादन सरप्लस है। बेहतर गुणवत्ता के बाद भी इनके उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत नहीं मिल पाती है। ऐसे में किसानों के उत्पादों को उचित मूल्य मिले इसके लिए इनकी ब्रांडिंग, मानकीकरण, जिओग्राफी टैगिंग करने की जरूरत है। कार्यशाला में किसानों के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर के बाजार में उपलब्ध कराने के लिए विचार रखा गया है। इससे स्थानीय किसानों को उनके उत्पादन का उचित मूल्य दिलाने और रोजगार के अवसर को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

मिनीमाता ने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दियाः भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने मिनीमाता की 50वीं पुण्यतिथि पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण का किया विमोचन

मिनीमाता स्मृति दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मिनीमाता का व्यक्तित्व अतुलनीय था। सरल और सहज व्यक्तित्व की धनी मिनीमाता ने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया। दलितों के नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिये अस्पृश्यता निवारण अधिनियम को संसद में पारित कराने में उन्होंने महती भूमिका निभाई। बाल विवाह और दहेज प्रथा के विरोध में उन्होंने समाज से लेकर संसद तक अपनी आवाज उठाई।

श्री बघेल राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन में मिनीमाता स्मृति दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने प्रथम महिला सांसद मिनीमाता की 50वीं पुण्यतिथि पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण का विमोचन किया। कार्यक्रम का आयोजन गुरू घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की ओर से किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आगे कहा कि मिनीमाता ने महिला अस्मिता को एक नई ऊंचाई दी है। अपने प्रखर नेतृत्व क्षमता की बदौलत राष्ट्रीय नेताओं के बीच उनकी अलग पहचान थी। दलित शोषित समाज ही नहीं सभी वर्गों ने उनके नेतृत्व को मान्य किया था। मिनीमाता समाज हितैषी कार्यों की वजह से लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंची। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद के रूप में उन्हें दलितों एवं महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए कार्यों के लिए सदा याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिनीमाता ने समाज सुधार सहित सभी वर्गों की उन्नति और बेहतरी के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्हें असमिया, अंग्रेजी, बांग्ला, हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा का अच्छा ज्ञान था। वह सत्य, अहिंसा एवं प्रेम की साक्षात् प्रतिमूर्ति थीं। उनका विवाह गुरूबाबा घासीदास जी के चौथे वंशज गुरू अगमदास से हुआ। विवाह के बाद वे गुरूमाता के रूप में असम से छत्तीसगढ़ आई, तब से उन्होंने इस क्षेत्र के विकास के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। स्वतंत्रता पश्चात लोकसभा का प्रथम चुनाव 1951-52 में सम्पन्न हुआ। मिनीमाता सन् 1951 से 1971 तक सांसद के रूप में लोकसभा की सदस्य रहीं। अविभाजित मध्यप्रदेश में बिलासपुर-दुर्ग-रायपुर आरक्षित सीट से लोकसभा की प्रथम महिला सांसद चुनी गईं। इसके बाद परिसीमन में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित जांजगीर लोकसभा क्षेत्र से चार बार चुनाव जीत कर लोकसभा पहुंचीं।

कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतनामी समाज की तरफसे गिरौदपुरी का नामकरण गुरू घासीदास गिरौदपुरी धाम किए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सतनामी समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और लोगों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर महापौर एजाज ढेबर, चरौदा के महापौर निर्मल कोसले सहित बड़ी संख्या में सतनाम पंथ के अनुयायी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए निरंतर हो रहे कार्यः मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री बघेल से अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रतिनिधि मंडल ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से शाम राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। गौरतलब है कि राजधानी रायपुर के अग्रसेन धाम में 10 से 12 अगस्त तक अखिल भारतीय कुर्मी समाज तथा मतदाता जागृति मंच के तत्वावधान में महासभा का आयोजन किया गया है। महासभा में देश के विभिन्न राज्यों से कुर्मी समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए हर समाज तथा वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। इनमें नवाचार का प्रयोग करते हुए ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, जिससे लोगों को रोजगार का भरपूर अवसर मिले। साथ ही उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप आज विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे योजनाओं और कार्यक्रमों से पूरे प्रदेश के विकास को नई दिशा मिली है। इससे किसान, मजदूर, गरीब, आदिवासी सहित सभी वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने के भरपूर अवसर मिलने लगे हैं।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष चोवाराम वर्मा तथा राष्ट्रीय महासचिव आरएस कनौजिया आदि ने भी संबोधित किया और छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मुख्यमंत्री बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी समाज एवं मतदाता जागृति मंच नंदकुमार बघेल तथा अन्य पदाधिकारी सर्वश्री संतोष कुमार, क्रांतिकुमार, नारायण सिंह, अनिल कुमार चौधरी, श्याम पटेल, सुनील देशायी, विमल साहू, सुनील गहलोत, शर्मिला जोहरी, डॉ. दीनानाथ वर्मा, के.पी. कुर्मवंशी, डी.पी. पटेल, सुश्री पूजा मौरे, सुश्री प्रतिभा सिंह, विजय पटेल, डी.राजशेखर रेड्डी, रमाशंकर पटेल आदि शामिल थे।

धान के बंपर उत्पादन की संभावना से मैदानी क्षेत्रों के किसान प्रसन्न, सरगुजा में अल्प वर्षा से बढ़ी चिंता

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के किसानों की आय का सबसे बड़ा माध्यम धान की फसल है। इसकी खेती मुख्य रूप से मैदानी क्षेत्रों में होती है। मैदानी क्षेत्रों में इस बार मानसून की विशेष कृपा बनी हुई है। इससे धान के बंपर उत्पादन की संभावना से किसान प्रसन्न् हैं। लक्ष्य के विरुद्ध अब धान की लगभग 96 प्रतिशत बोआई हो चुकी है। लेकिन राज्य के दोनों वनांचल क्षेत्रों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बस्तर संभाग के अधिकांश जिलों में अतिवर्षा से किसान चिंतित हैं। खेतों में लगा पानी यदि शीघ्र नहीं निकला तो फसल क्षति हो सकती है। उधर, सरगुजा संभाग के पांचों जिलों पर सूखे का खतरा मंडरा रहा है। प्रदेश में इस खरीफसीजन में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर में खेती का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 39 लाख 81 हजार हेक्टेयर में बुआई हो चुकी है, जो लक्ष्य का 83 प्रतिशत है। इसमें धान का रकबा 32 लाख 25 हजार हेक्टेयर है। जो कुल बुआई का लगभग 81 प्रतिशत है।

धान उत्पादक जिलों में सामान्य या उससे अधिक वर्षा

धमतरी, महासमुंद, जांजगीर-चांपा, राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, बिलासपुर, मुंगेली और कबीरधाम में धान की खेती अधिक होती है। इन जिलों सभी जिलों में 81 से 119 प्रतिशत तक बारिश हो चुकी है। कुछ एक जिलों में तो वर्षा का आंकड़ा 120 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुका है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की फसल के लिए अधिक पानी की जरुरत पड़ती है।

इस वर्ष एक करोड़ 10 लाख टन खरीदी का लक्ष्य

राज्य सरकार ने इस वर्ष एक करोड़ 10 लाख टन धान समर्थन मूल्य पर खरीदी करने का लक्ष्य रखा है। वर्षा की मौजूदा स्थिति को कृषि विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस वर्ष राज्य में एक करोड़ 60 लाख टन से अधिक धान का उत्पादन होगा।

राज्यपाल सुश्री उइके राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में हुई शामिल

प्रकृति की सेवा, परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग भोजली पर्वः राज्यपाल सुश्री उइके

आदिवासी परंपरा के रंग में रंगी राज्यपाल

रक्षाबंधन और भोजली पर्व की दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति द्वारा सावन पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में शामिल हुई। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही नगाड़ा और मांदर की थाप पर परंपरागत नृत्य करते हुए राज्यपाल सुश्री उइके का आत्मीय स्वागत किया गया और समिति के सदस्यों ने सम्मान स्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ी आभूषण पहनाया। इस दौरान राज्यपाल ने भोजली माता और बड़ादेव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल सुश्री उइके ने भोजली पर्व और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि आज यहां देश के विभिन्न राज्यों से जनजातीय समाज के लोग भोजली के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकजुट होकर त्यौहार मनाना दर्शाता है कि जनजातीय समाज में भोजली पर्व का कितना महत्व है। राज्यपाल ने भोजली पर्व मनाने की परंपरा और इस दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में बताते हुए कहा कि लोग भोजली माता से हरियाली और अच्छे फसल की कामना करते हैं। भोजली अनादिकाल से चली आ रही परंपरा व संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह मूलतः अन्न माता व प्रकृति की सेवा है। अंकुरित बीज के पल्लवित रूप की भोजली माता के रूप में सेवा की जाती है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृतिपूजक है और प्रकृति के सान्निध्य में रहते हुए संतुलित जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रकृति के निकट होने के कारण ही आदिवासी कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के दौरान भी सुरक्षित रह पाए। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि हमें समझना चाहिए कि प्रकृति के साथ ही मनुष्य का सहअस्तित्व है और भोजली जैसे त्यौहार इस सहअस्तित्व को और अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, ओड़िशा, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों से भी प्रतिनिधि के रूप में गोंडी धर्म के अनुयायीगण शामिल हुए हैं। विभिन्न राज्यों से लोगों के शामिल होने से त्यौहार का आनंद तो बढ़ता ही है, साथ-साथ भौगोलिक दूरियों के बावजूद आत्मीय सम्बन्ध बनते हैं और सांस्कृतिक रूप से भी समृद्धि आती है।

इस दौरान पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक बृजमोहन अग्रवाल, महापौर एजाज ढेबर ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर भोजली व रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल सह अतिथियों को गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति के सदस्यों ने स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, गोंडवाना गुरूदेव दुर्गेभगत जगत एवं माता दुर्गेदुलेश्वरी, समिति के प्रांता संरक्षण सिया मंडावी एवं प्रांता संयोजक लच्छन मरकाम उपस्थित थे।

राष्ट्र ध्वज लहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने का किया आग्रह

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि आदिवासी समुदाय के लिए गर्व की बात है कि एक आदिवासी महिला देश के सर्वोच्च पद पर है, जो समाज को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे। इस दौरान उन्होंने सभी को आगामी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामकनाएं दी और देश की आजादी में योगदान देने वाले जनजातीय समाज के सेनानियों वीर गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह, बिरसा मुण्डा, रानी दुर्गावती सहित अन्य जननायकों को नमन किया। राज्यपाल ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए राष्ट्र ध्वज लहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त किया और लोगों से घर-घर में राष्ट्र ध्वज लगाने का आह्वान भी किया। भोजली महोत्सव में विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय समुदाय के युवाओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राज्यपाल सुश्री उइके ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिए युवाओं का उत्साहवर्धन किया और उनकी सराहना की।

आत्मानंद विद्यालय में संविदा भर्ती की लिखित परीक्षा होगी 16 अगस्त को

रायपुर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में संविदा भर्ती की लिखित परीक्षा 16 अगस्त को होगी। सुबह 11 से 11.30 बजे तक शहर के सात परीक्षा केंद्रों में यह आयोजन होगा। इसकी विषयवार व पदवार सूची वेबसाइट में देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि विभिन्ना शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक पदों के लिए 27 जुलाई तक आवेदन बुलाए गए थे। इस संबंध में दावा-आपत्ति 12 अगस्त को शाम चार बजे तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि स्वामी आत्मानंद योजना वाले सरकारी इंग्लिश स्कूलों में 232 पदों पर व्याख्याता, शिक्षक, सहायक शिक्षक समेत कई पदों पर संविदा भर्ती की जानी है। इसके लिए अभी तक 10,396 आवेदन आए हैं। बताया जा रहा है कि इसमें से 4189 अपात्र हो गए हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

पांच की उम्र से अभिनेत्री बनना चाहती थीं सारा अली खान, बढ़े वजन के कारण चिढ़ाते थे दोस्त

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान हर साल 12 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाती हैं। आज ही के दिन साल 1995 में जन्मी सारा बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी हैं। कम ही फिल्मों में नजर आई सारा ने अपनी बेहतरीन अदाकारी के जरिए में लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल कर ली है। खूबसूरती और शानदार अभिनय के लिए मशहूर सारा अक्सर अपनी क्यूटनेस से भी फैंस को दीवाना बना देती हैं। एक्ट्रेस के जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ बातों के बारे में-

वर्तमान में इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल सारा बचपन से ही काफी क्यूट हैं। हालांकि बड़े होने के बाद एक समय ऐसा भी था,त जब वह अपने बढ़े हुए वजन से परेशान थीं। अभिनेत्री के जीवन में एक समय ऐसा भी था जब उनका वजन 96 किलो था, जिसकी वजह से स्कूल से लेकर कॉलेज सब जगह उन्हें अपने मोटापे की वजह से चिढ़ाया जाता था।

अभिनेत्री 23 साल की उम्र से ही हीरोइन बनने का सपना देख रही थी, लेकिन इस बारे में उन्होंने चार पांच साल की उम्र में ही ठान लिया था कि वह बड़े होकर एक्टिंग ही करेंगी। उस समय वजन उनके सपने के आड़े आ रहा था, जिसकी वजह से उन्होंने मन पक्का कर कॉलेज के तीसरे साल से वजन घटाने पर काम करना शुरू कर दिया था। सारा अली खान की परवरिश उनकी मां अमृता सिंह ने की है।

अपने मजबूत इरादों की बदौलत सारा ने ना सिर्फ अपना वजन कम किया बल्कि इंडस्ट्री में इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान भी बना।ई सारा ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म केदारनाथ के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था। अपनी पहली फिल्म के बाद से ही उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बना ली। इस फिल्म के तुरंत बाद उन्होंने रणबीर सिंह के साथ फिल्म सिंबा की और उनकी यह दोनों ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई।

अल्लू अर्जुन ने ठुकराया शराब कंपनी का ऐड

ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 10 करोड़ की फीस हुई थी ऑफर, तंबाकू कंपनी को भी कर चुके हैं मना

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने एक शराब कंपनी के विज्ञापन का ऑफर ठुकरा दिया है। साउथ इंडस्ट्री के ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन के अनुसार, अल्लू को शराब कंपनी ने 10 करोड़ रुपए का ऑफर दिया था। मनोबाला ने अल्लू को उसूलों को पालन करने के लिए बधाई भी दी। साउथ स्टार एक ब्रांड को एंडोर्स करने के 7.5 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। इसके पहले उन्होंने एक तंबाकू कंपनी के विज्ञापन का ऑफर ठुकराया था।

अल्लू फैंस के बीच गलत मैसेज नहीं देना चाहते

अल्लू के करीबी लोगों ने बताया कि वे नहीं चाहते कि उनके फैंस इन चीजों का ऐड देखकर ऐसे प्रोडक्ट का उपयोग शुरू कर दें, जिससे उन्हें इसकी लत लगे। उनका मानना है कि जिस चीज का सेवन वे खुद नहीं करते, उसे प्रमोट क्यों करें।

मैं खुद तंबाकू का सेवन नहीं करता

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल्लू ने करोड़ो का तंबाकू कंपनी के विज्ञापन का ऑफर ठुकराते हुए कहा था- मैं फैंस के बीच किसी भी गलत चीज को प्रमोट नहीं करना चाहता। मैं खुद भी खुद तम्बाकू का सेवन नहीं करता हूं। इसी वजह से उन्होंने तंबाकू कंपनी का ब्रांड एंडोर्समेंट करने से इनकार कर दिया। अल्लू के करीबी ने बताया कि फिल्म में स्मोकिंग करना अल्लू के हाथ में नहीं है, लेकिन उनकी कोशिश होती है कि कोई भी इसका सेवन न करे। वह इससे बचने का मैसेज भी देते हैं।

अपनी बहनों पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं ये बॉलीवुड सितारे, भेंट करते हैं महंगे राखी गिफ्ट

भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार इस बार दो दिन मनाया गया है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांध अपनी रक्षा का वादा लेती है, तो भाई भी उसे उपहार भेंट करता है। रक्षाबंधन के त्योहार को बॉलीवुड के सितारे भी बड़े ही खास अंदाज में मनाते हैं। सितारे न सिर्फ अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर अपने भाई-बहनों पर प्यार लुटाते हैं, बल्कि उन्हें स्पेशल भी फील कराते हैं। आज हम आपको बी टाउन के कुछ ऐसे ही सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपनी बहनों पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं और उन्हें महंगे गिफ्ट भेंट कर चुके हैं।

प्रियंका चोपड़ा- सिद्धार्थ चोपड़ा

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। प्रियंका अपने भाई सिद्धार्थ के बेहद करीब हैं और हर साल रक्षाबंधन को धूमधाम से मनाती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले साल सिद्धार्थ ने प्रियंका को एक फ्लैट गिफ्ट किया था, जिसकी कीमत 10 करोड़ रुपये है।

कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और उनकी बहन कृतिका बेहद प्यारा बॉन्ड शेयर करते हैं। दोनों के एक-दूसरे को लेकर किए गए सोशल मीडिया पोस्ट से ही पता चलता है कि वे कितनी करीब है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक आर्यन ने अपनी बहन को एक डायमंड की रिंग गिफ्ट की थी, जिसकी कीमत 70 लाख रुपये थी।

सलमान खान

सलमान खान अपनी दोनों बहन अलवीरा और अर्पिता से बहुत प्यार करते हैं। भाई और बहनों की बॉन्डिंग भी साफ झलकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें को सलमान खान ने पिछले साल अपनी दोनों ही बहनों को राखी के मौके पर एक-एक फ्लैट गिफ्ट किया था।

सैफअली खान

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान भी अपनी बहन सोहा अली खान को स्पेशल फील कराने का कोई मौका नहीं छोड़ते। सैफ हर साल ही सोहा को राखी के दिन कुछ खास देते हैं। वहीं, बीते साल सैफ ने सोहा को 30 लाख रुपये की कीमत के डायमंड इयररिंग्स दिए थे।

अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर भी अपनी सभी बहनों के बेहद करीब हैं। अर्जुन और जान्हवी कपूर यूं तो सगे भाई-बहन नहीं हैं, लेकिन दोनों के बीच का प्यार बहुत गहरा है। खबरों के अनुसार पिछले साल अर्जुन ने जान्हवी को एक सेट गिफ्ट किया था, जिसकी कीमत 1 करोड़ रुपये थी।

विजय की मां 'डार्लिंग्स' देखने के बाद हो गईं परेशान बोलीं- अब मेरे बेटे से कोई भी लड़की शादी नहीं करेगी

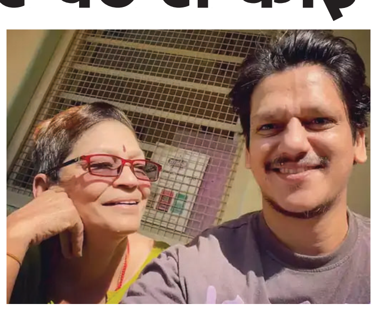

एक्टर विजय वर्मा की हालिया रिलीज फिल्म 'डार्लिंग्स' खूब सुर्खियां बटोर रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म को लेकर अपनी मां का रिएक्शन शेयर किया। उन्होंने बताया कि इस फिल्म को देखने के बाद उनकी मां परेशान हो गई थीं और कहने लगी थीं कि अब उनके बेटे से कोई लड़की शादी नहीं करेगी।

डार्लिंग्स देखने के बाद मेरी मां परेशान हो गईं

विजय ने कहा, 'इस फिल्म के रिलीज होने के बाद मुझे तरह-तरह के रिएक्शन्स और फीडबैक मिल रहे हैं। कुछ लोग हमजा से नफरत कर रहे हैं, तो वहीं कुछ मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ कर रहे हैं। लेकिन इन सब में सबसे ज्यादा फनी मेरी मां हैं। उन्होंने ये फिल्म देखी और उसके बाद परेशान होकर मुझे कॉल किया।

मां को मेरी शादी की टेंशन हो गई

विजय ने आगे बताया, 'इसे देखने के बाद मां को इस बात की टेंशन हो गई कि अब कोई भी लड़की मुझसे शादी नहीं करेगी। मुझे पता है कि वह क्या सोच रही थी, लेकिन उनका ऐसा रिएक्शन देखकर मुझे बहुत हंसी आई। इसके बाद मुझे उन्हें शांत कराना पड़ा और इस बात की गारंटी देनी पड़ी कि ऐसा नहीं होगा। हालांकि अब मैं भी यही उम्मीद कर रहा हूं कि ऐसा न हो।'

विजय वर्मा ने 2012 में बॉलीवुड में रखा था कदम

विजय ने 2012 में आई चित्तागोंग फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इसके अलावा वो 'रंगरेज', 'गैंग ऑफ घोस्ट', 'पिंक', 'राग देश', 'गली बॉय' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। विजय ने वेब शो 'शी' और 'मिर्जापुर' में काम कर एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने एक्टिंग की पढ़ाई पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से की थी।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है 'डार्लिंग्स'

'डार्लिंग्स' 5 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। जसमीत के. रीन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में विजय के अलावा आलिया, शेफाली शाह और रोशन मैथ्यू भी लीड रोल में हैं। एक्टिंग के साथ ही आलिया ने इस फिल्म को प्रोड्यूस भी किया है। फिल्म शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' में बनी है।

'लाल सिंह चड्ढा' से पहले भी हिट रही आमिर-करीना की जोड़ी, इस फिल्म ने की थी छप्पर फाड़ कमाई

आमिर खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' दर्शकों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रिलीज हो गई। हाल ही में फिल्म को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था जिसके बाद से यह फिल्म लगातार चर्चा में बनी हुई थी। सोशल मीडिया पर फिल्म को लगातार बायकॉट करने की बात कही जा रही थी, लेकिन रिलीज के बाद इसे लोगों का पॉजिटिव रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। दर्शक आमिर की एक्टिंग के अलावा करीना कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब दोनों की जोड़ी को लोगों ने पसंद किया है। इससे पहले भी आमिर और करीना की जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा चुकी हैं। आइए जानते हैं किन फिल्मों में ये सुपरहिट जोड़ी नजर आ चुकी है।

थ्री इडियट्स

आमिर और करीना की जोड़ी सबसे पहले फिल्म 'थ्री इडियट्स' में नजर आई थी। इस फिल्म में आमिर एक इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट रैंचो की भूमिका में थे। वहीं, करीना कपूर ने एक मेडिकल की छात्रा पिया का किरदार निभाया था। दर्शकों ने इस जोड़ी को काफी पसंद किया था। दोनों की इस फिल्म ने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले थे। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक माना जाता है।

तलाश

थ्री इडियट्स के बाद आमिर-करीना फिल्म तलाश में एक साथ नजर आए थे। इस फिल्म में आमिर एक पुलिस अफसर के किरदार में थे। वहीं, करीना एक वेश्या के किरदार में दिखी थीं। फिल्म का निर्देशन रीमा कागती ने किया था। कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। फिल्म ने टिकट खिड़की पर कुल 93.40 करोड़ का कलेक्शन किया था।

इन फिल्मों में भी आ चुके हैं नजर

तलाश और थ्री इडियट्स के अलावा दोनों कई फिल्मों में गेस्ट अपीरियंस में नजर आ चुके हैं। फरहान अख्तर अभिनीत फिल्म 'लक बाई चांस' में दोनों अपने असल जीवन के किरदार में नजर आ चुके हैं। इस फिल्म में दोनों आमिर और करीना के रूप में ही नजर आए थे। इसके अलावा बॉम्बे टॉकीज में भी दोनों मेहमान की भूमिका में दिख चुके हैं।

'ब्रह्मास्त्र' से लीक हुआ शाहरुख खान का लुक: किंग खान दिखे 'वानरास्त्र' के रूप में, आग से खेलते नजर आए

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' से शाहरुख खान का लुक लीक हो गया है। फिल्म में शाहरुख का कैमियो रोल है। शाहरुख हर फिल्म में यही कोशिश करते रहे हैं कि फिल्म से उनका लुक लीक न हो, लेकिन टाइट सिक्योरिटी के बावजूद भी ये मुमकिन नहीं हो पा रहा है। हालांकि फैंस शाहरुख के इस लुक को देखकर काफी एक्साइटेड हो गए हैं और फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

शाहरुख फिल्म में 'वानरास्त्र' की भूमिका निभाने वाले हैं। वीडियो में शाहरुख खून से आग की लपटों के बीच नजर आ रहे हैं। बता दें जब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था, तब ही फैंस ने शाहरुख को फिल्म में नोटिस कर लिया था। यह फिल्म 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI[th] XII[th] B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

हमर तिरंगा अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री अकबर 13 अगस्त को कवर्धा में निकालेंगे तिरंगा ध्वज यात्रा

कवर्धा। आजादी के 75 वीं वर्ष को पूरे देश में आजादी के अमृत महोत्सव के मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के अह्वान पर राज्य में 11 अगस्त से 17 अगस्त तक एक सप्ताह के लिए हमर तिरंगा सप्ताह मनाया जाएगा। इसी परिपेक्ष्य में प्रदेश के वन,परिवहन,आवास एवं विधि विधाई कार्य मंत्री मोहम्मद अकबर के नेतृत्व में 13 अगस्त को कवर्धा नगर में तिरंगा पदयात्रा निकाली जाएगी। इसमें समस्त कबीरधाम जिले के निवासी बढ़ चढ़ कर शामिल होंगे।तिरंगा पदयात्रा के तैयारियां मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशन में की जा रही है।पदयात्रा के दौरान पूरे कवर्धा नगर को तिरंगामय करने की तैयारी है। बरसात के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से तैयारी की जा रही है।विशेषकर मोबाइल फोन को पानी से बचाने कवर रखने कहा जा रहा है। तिरंगा पदयात्रा में शामिल होने वाले तिरंगा प्रेमी मानकर चल रहे हैं कि 13 अगस्त को बरसात हो सकती है।अगर बरसात हुई तो भी उनके हौसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हमर तिरंगा अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़कर राष्ट्रध्वज को दें सम्मान - कलेक्टर

रायपुर। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत आमजनों में राष्ट्रध्वज के प्रति आस्था एवं जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्वतंत्रता सप्ताह 11 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रत्येक घर, संगठन, कार्यालय एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान में राष्ट्रध्वज फहराया जाएगा। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने कलेक्टर पी.एस. एल्मा ने आज अपराह्न तीन विभिन्न संगठनों, संघों, सामाजिक एवं राजनीतिक पदाधिकारियों की बैठक लेकर इस अभियान से जुड़ने और अधिकाधिक लोगों को शामिल करते हुए हर घर में तिरंगा फहराने की अपील की। समुदाय और संगठन के लोगों को इस अभियान का हिस्सा का बनने का अनुरोध किया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आगामी 11 से 17 अगस्त के बीच 'हमर तिरंगा' अभियान चलाकर लोगों को राष्ट्रध्वज के प्रति सद्भावना, आस्था और सम्मान की मूल भावना को जागृत करना है।

धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षाबंधन गुरुवार को हर्ष उल्लास और परंपरा पूर्वक मनाया गया। हर वर्ष की तरह सावन पूर्णिमा की तिथि पर बहनों ने रक्षा सूत्र से भाइयों की कलाइयां सजाई ।रेशम की डोरी के धागे भले ही कच्चे हो लेकिन इसके पीछे का स्नेह अटूट और बेहद मजबूत होता है ।बहन-भाई के प्यार का प्रतिक इस त्योहार को लेकर घर-घर में व्यापक तैयारियां की गई थी।

गुरुवार की सुबह लोग स्नान कर देवी देवताओं की पूजा अर्चना किया।इसके उपरांत बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सुत बांधकर जन्म जन्म तक सुख-दु:ख में साथ निभाने का वचन भाईयों से लिया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया। इस दौरान मुंह मीठा करने का दौर भी जारी रहा।घर के बुढे- बुजुर्गों का पैर छुकर आशिर्वाद लिया। दोपहर में अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई पर राखी सजाई और उपहार पाकर अपनों के साथ खुशियां मनाई सुबह से शुरू हुआ इन्हीं भावनाओं के साथ सुबह से ही तैयारी कर रही बहनों ने भाइयों के हाथों में राखियां बांधी ।

भारतीय हिंदू संस्कृति में सभी रिश्तो को महत्व देने के लिए कई पर्व मनाए जाते हैं।भाई दूज के साथ रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के अनूठे संबंध को और गहरा करने का पर्व है।भारत में रक्षाबंधन को लेकर पौराणिक और ऐतिहासिक परंपरा रही है।

बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की कलाई पर बांधी राखी, भाइयों ने लिया रक्षा का संकल्प

कहा जाता है की असुर देवता संग्राम में इंद्र को उनकी पत्नी इंद्राणी ने अभिमंत्रित रेशम का धागा बांधा था जिसकी शक्ति से वे विजयी हुए। भगवान कृष्ण को द्रौपदी द्वारा उनके घायल उंगली में साड़ी की पट्टी बांधने को भी रक्षाबंधन से जोड़कर देखा जाता है ।उसी परंपरा का पालन करते हुए इस गुरुवार को बहनों ने सुबह से उपवास रखकर स्नान और श्रृंगार किया। खुद सज धज कर बहनों ने थाल सजाई। जिसमें राखियों के साथ रोली हल्दी चावल दीपक मिठाई आदि रखा।

भाइयों को टीका लगाकर उनकी आरती उतारी गई और उनकी दाहिनी कलाई पर राखी बांधी गई। भाइयों ने रक्षा का वचन देते हुए बहनों को उपहार प्रदान किए। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में रक्षाबंधन को लेकर एक सा उत्साह नजर आया। तमाम आधुनिकताओं के बावजूद आज भी भारतीय परंपराओं पर अटूट विश्वास की झलक ऐसे ही पर्व पर नजर आती है। सभी भाई और बहनों को वर्षभर इसकी प्रतीक्षा होती है।

समूह की महिलाओं ने अब तक 35 हजार तिरंगे तैयार किये, बनाने का काम जारी

जांजगीर-चाम्पा जिले में आन बान शान से हर घर लहराएगा तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चाम्पा। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर जांजगीर चाम्पा जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में 15 दिन से लगातार जुटीं हुए है। अब तक 51 समूह की महिलाओं ने 35 हजार झंडे तैयार करते हुए 32 हजार झंडे का विक्रय करते हुए 3 लाख रुपये आमदनी अर्जित कर चुकी है। साथ ही रक्षाबंधन त्यौहार के लिए समूह की महिलाओं ने राखियों के लिए 70 हजार कमाए है।

जिला कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में जिले में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने ' हर घर तिरंगा ' अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें तिरंगा निर्माण के लिए जिले की सिलाई, कढ़ाई में प्रशिक्षित समूह की महिलाएं तिरंगा झंडा गाइडलाइन के अनुसार बना रही है।

समूह की महिलाएं जुलाई के अंतिम सप्ताह से झंडा निर्माण कर रही है। जो अगस्त में भी सतत रूप से जारी रहा। झंडा निर्माण के साथ ही उनका विक्रय भी किया जा रहा है। अब तक 35 हजार झंडा समूह की दीदियों ने तैयार कर 32 हजार झंडे जिला से लेकर ग्राम पंचायत तक स्टाल लगाकर विक्रय किये है।

जिले में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए 51 स्व सहायता समूह की 170 महिलाओं ने दिन-रात कड़ी मेहनत करते हुए झंडे तैयार किये है। जिससे उनको इस कार्य से रोजगार मिला है। राधे कृष्ण स्व सहायता समूह नवागढ़, आराधना समूह, सागर, दिव्या, शिवशंकर, जय माँ अन्नपूर्णा, शिवशक्ति, जनजागरण, जय माँ शारदा, संजीवनी, दिशा, उन्नति, जागृति, लड्डू गोपाल लक्ष्मी दुर्गा सहित अन्य समूह झंडे बना रहे है। हर साइज हर कीमत के झंडे समूह की महिलाएं तैयार कर रही है। यह भारत सरकार की ओर से निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार साइज और कपड़े पर यह तिंरगे तैयार किए गए है। कलेक्टर श्री सिन्हा ने सभी से अपने घर, संस्थान, स्कूल, कॉलेज सहित किसी भी कार्यालय में लगाने की अपील की है।

स्टाल में सजे झंडे

आम नागरिकों को तिरंगा झंडा आसानी से उपलब्ध हो सके इसके लिए जिला से लेकर जनपद एवं ग्राम पंचायतों में स्टाल लगाए गए है। इन स्टाल में तिरंगा झंडा 10 रुपये, 50 रुपये 70 रुपये एवं 100 रुपये देकर प्राप्त किये जा सकते है। मनरेगा से जुड़े परिवारों के घरों से तिरंगा अभियान से जुड़कर अभियान को सफल बनायेगे। मनरेगा के परिवार को तिरंगा झंडे की जानकारी देकर अभियान आए जुड़ने के लिए जनपद पंचायत कार्यक्रम अधिकारी, रोजगार सहायक को प्रचार प्रसार करने कहा गया है। जिले में जहाँ एक और झंडा बनाने से समूह को रोजगार मिल रहा है तो वही दूसरी और राखियां बनाकर विक्रय किये है। 35 स्व सहायता समूह की 210 दीदियों द्वारा राखी तैयार कर लगभग 90 हजार रुपये की राखियों का विक्रय किया है।

प्रभारी सचिव धनंजय देवांगन ने कीचड़ में पैदल चलते हुए जाँची मशरूम उत्पादन की सत्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चाम्पा। छत्तीसगढ़ शासन के गृह, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव तथा जिले के प्रभारी सचिव श्री धनजंय देवांगन ने बुधवार को बलौदा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम महुदा और औरईकला में गौठान का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आजीविका के साधन विकसित करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

मुर्गी और मत्स्य पालन की गतिविधियों को नजदीक से देखने के पश्चात जब प्रभारी सचिव श्री देवांगन ने एक समूह की महिलाओं से मशरूम उत्पादन के विषय में जानकारी ली तो उन्होंने पास के शेड्यूक्त भवन में मशरूम का उत्पादन करने की बात कही। भवन में ताला लगे होने और आसपास कीचड़ होने पर प्रभारी सचिव ने सत्यता जाँचने भवन का ताला खुलवाया। बारिश में भवन के आसपास दूर तक कीचड़ होने के बावजूद उन्होंने इसकी परवाह नहीं की और कीचड़ में पैदल चलते हुए भवन तक पहुच गए। भवन के भीतर मशरूम उत्पादन की गतिविधियां संतोषजनक नहीं दिखने पर उन्होंने महिला समूह के सदस्यों से कहा कि शासन व अधिकारी आपकों आगे बढ़ाने के लिए सहयोग कर सकते हैं। योजनाओं का लाभ दिलाकर आपकों आगे बढ़ा सकते हैं। आप जब स्वयं भी किसी गतिविधियों में मन लगाकर रूचि लेंगे तो आप सभी आर्थिक रूप से मजबूत बनने के साथ आत्मनिर्भर बन पायेंगे।

शहरवासियों ने तम्बाकू से बच्चों एवं समाज को दूर रखने ली शपथ सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर बैनर लगाकर किया प्रचार प्रसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। डेंगू, मलेरिया, और कोविड से बचाव के लिए तैयारी करने के साथ-साथ बस्तर जिले में स्वास्थ्य से जुड़े अन्य कार्यक्रमों पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में तंबाकू के सेवन से लोगों को दूर करने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम जगदलपुर शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों में आयोजित किये जा रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के. चतुर्वेदी ने बताया: जिले में चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान के तहत तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विभाग द्वारा लोगों को जानकारी दी जा रही है। इसके लिए पोस्टर बैनर एवं विभिन्न माध्यमो से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिले में तंबाकू के प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष विज्ञापन पर प्रतिबंध है। दुकानों के सामने वैधानिक चेतावनी वाला बोर्ड,जिसमें ''तंबाकू से कैंसर होता है'' लिखा हुआ लगाना आवश्यक है। धारा 6 के तहत 18 से कम आयु वर्ग के लोगो को तंबाकू बेचना अपराध है। इसका भी बोर्ड दुकान के सामने लगा होना चाहिए।

तम्बाकू सेवन के आदि हो चुके लोगों को इसके लत से दूर रहने सम्बन्धी जानकारी देने में स्पर्श क्लीनिक के कम्युनिटी नर्स रुपेश मसीह का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने शहरवासियों को तंबाकू एवं इससे बने पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए बताया, धूम्रपान बहुत ही ज्यादा नुकसानदायक है। धूम्रपान करने वाले अपने साथ,अपने आस-पास रहने वालों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, तंबाकू सेवन की आदत को छोड़ें और शपथ लें कि हम धूम्रपान एवं तम्बाकू उत्पाद का सेवन नहीं करेंगे। अपने बच्चों एवं समाज को तम्बाकू से दूर रखेंगे एवं समाज को होने वाले क्षति से बचायेंगे।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के साइकोलोजिस्ट उमाशंकर साहू ने बताया: जिला नोडल अधिकारी डॉ. ऋषभ सॉव के निर्देशन में जगदलपुर शहर के मुख्य सार्वजनिक स्थानों जैसे दलपत सागर झील, सिरसाहार चौक, लाला जगदलपुरी पुस्तकालय भवन, शहीद पार्क, एवं माड़िया चौक एयरपोर्ट चौक में कोटपा अधिनियम सार्वजनिक स्थल धूम्रपान निषेध फ्लेक्स एवं पोस्टर चस्पा कर लोगो को सार्वजनिक स्थलों में धूम्रपान एवं नशा ना करने के लिए जागरूक किया गया।''

अब अंतागढ़ तक ट्रेन, केंवटी से हुआ विस्तार, 13 अगस्त से मिलेगी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दल्लीराजहरा। कांकेर जिले के अंतर्गत अंतागढ़ क्षेत्र तक अब पैसेंजर ट्रेन चलेगी। 13 अगस्त से इसकी शुरुआत हो रही है। फिलहाल रावघाट परियोजना के तहत बालोद जिले से कांकेर जिले के केंवटी तक ट्रेन की सुविधा मिल रही थी। लेकिन अब इसका विस्तार किया जा रहा है। इस आजादी के अमृत महोत्सव पर नक्सलियों के मांद से होकर ट्रेन चलाकर रेलवे एक नया इतिहास रचेगी। ज्ञात हो कि यहां रेल लाइन बिछाने के दौरान नक्सलियों द्वारा कई अड़चनें पैदा की गई। काफी दिक्कतों का सामना और चुनौतियों से निपटने हुए सुरक्षा जवानों के साए में यहां पटरी बिछाने का कार्य किया जा रहा है। अब अंतागढ़ तक ट्रेन की सुविधा मिलने से कांकेर, बालोद जिले सहित दुर्ग और रायपुर जिले के यात्रियों को लाभ होगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत 08815 रायपुर केंवटी डेमू स्पेशल एवं 08818 केंवटी-दुर्ग डेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन को 13 अगस्त, से अंतागढ़ तक विस्तार किया जा रहा। साथ ही 08815 रायपुर केंवटी डेमू स्पेशल एवं 08818 केंवटी-दुर्ग डेमू पैसेंजर स्पेशल, 08824/07825 दुर्ग-दल्लीराजहरा-दुर्ग डेमू पैसेंजर स्पेशल की समय सारणी में भी आंशिक परिवर्तन होगा। रेल यात्रियों की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन के द्वारा दुर्ग एवं केंवटी के मध्य 08815 रायपुर ऊकेंवटी डेमू स्पेशल एवं 08818 केंवटी-दुर्ग डेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन को दिनांक 13 अगस्त से अंतागढ़ तक विस्तार किया जा रहा है एवं इस स्पेशल ट्रेनों की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है ।

नाम परिवर्तन

मैं हिमांशु भाई पटेल पिता लालू भाई पटेल, उम्र 27 वर्ष, निवासी-बी. के. 5 /डी (1), सडक-8, सेक्टर-1, वार्ड-38 भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) निम्नलिखित शपथपूर्वक बयान प्रस्तुत करता हूँ कि :
यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ ।
यह कि मेरे पिता का सही एवं पुरा नाम लालू भाई पटेल (**LALU BHAI PATEL**) है जो कि उनके आधार कार्ड एवं पैन कार्ड से सत्यापित है ।

यह कि मेरे दसवीं के उपरांत सभी अंकसूची में मेरे पिता का नाम **LALLO BHAI M PATEL** अंकित है, अर्थात **LALU BHAI PATEL** एवं **LALLO BHAI M PATEL** एक ही व्यक्ति का नाम है, अर्थात मेरे पिता का नाम है, किन्तु आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम **LALU BHAI PATEL** दर्ज है, इसलिये मेरे पिता का सही नाम **LALU BHAI PATEL** को जाना, माना एवं पढ़ा जावे।

यह कि भविष्य में मेरे उपरोक्त पते के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था अथवा निकाय को आपत्ति या विवाद होता है तो सारी जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी। यह शपथ-पत्र उपरोक्त तथ्य के समर्थन में यह शपथ-पत्र पेश है।

शपथकर्ता

खास-खबर

राखी बांधकर घर लौटी पत्नी तो फंदे पर झूलता मिला पति का शव

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के जोन 3 इलाके में गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मी बहोरिक राम साहू का शव फंदे पर झूलता मिला। पति का शव फंदे में लटका देकर महिला ने पुलिस और पड़ोसियों को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदा काटकर शव नीचे उतारा और पीएम करवाया। पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब 12 बजे बीएसपी कर्मी की पत्नी अपने भाई को राखी बांधने के लिए खुर्सीपार गई थी। एक घंटे बाद लौटी तो उसे घटना का पता चला। जांच में पता चला है कि बीएसपी कर्मी अपनी पत्नी के साथ रहता था। उसके बच्चे पढ़ाई और नौकरी के सिलसिले में दूसरे राज्य में रहते हैं। बीएसपी कर्मी के आत्महत्या करने के कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस संबंध में विवेचना कर रही है। इस घटना के बाद से परिजन सकते में है।

युवक का अपहरण कर एडिशनल एसपी के ऑफिस के नीचे मल्टीलेवल पार्किंग में लाठी डंडे से पीटा

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में देर रात एक युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। शहर के फुंडहर चौक स्थित एलएसडी कैफे से अनिद्र वर्मा नामक युवक के अगवा होने की जानकारी मिली है। युवक को अगवा कर जयस्तंभ स्थित मल्टीलेवल पार्किंग में एडिशनल एसपी (सिटी) के ऑफिस के नीचे लेजाकर रातभर मारपीट की गई है। इसके धमतरी रोड में युवक को गंभीर हालत में छोड़कर अपहरणकर्ता फरार हो गए है। उक्त घटना में आरोपी आमिर अहमद, अजरूद्दीन मनीहार सहित चार युवक शामिल थे। सभी आरोपी पुलिस के पकड़ से फिलहाल बाहर है। मिली जानकारी अनुसार युवक को डरा धमकाकर वीडियो बनाया गया है, साथ ही पुलिस में शिकायत करने पर चाकू मारने धमकी दी गई थी। मामले की शिकायत करने पीड़ित युवक अपने स्वजनों के साथ तेलीबांधा थाना पहुंचा है। पुलिस ने अपहरण की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

मां के सामने मासूम को ट्रेलर ने रौंदा

ढाई साल के बच्चे की मौत पर फूटा गुस्सा, लोगों ने नेशनल हाईवे किया जाम

भिलाई। अपने भाई को राखी बांधकर घर जा रही महिला के सामने ही उसके ढाई साल के मासूम को ट्रेलर ने कुचल दिया। बच्चे के ऊपर ट्रेलर गुजरता देख मां की चींख निकल गई। आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। 112 एंबुलेंस चालक तुरंत बच्चे को लेकर सुपेला अस्पताल पहुंचा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर दुर्घटना से गुस्साए लोगों ने एनएच में आधे घंटे तक चक्काजाम कर दिया।

भिलाई तीन टीआई मनीश शर्मा ने बताया कि गुरुवार शाम 7 बजे के करीब जेवरा सिरसा चौक के पास एक सड़क दुर्घटना हुई। दुर्ग गया नगर निवासी मीरा देवांगन पति नीरज देवांगन (38) की आंख के सामने उसके ढाई साल के मासूम शिवांग चंद्रा को ट्रेलर ने रौंद दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मीरा श्याम नगर भिलाई -3 अपने मायके आई थी। यहां उसने अपने भाई को राखी बांधी।

इसके बाद देर शाम को दुर्ग जाने मायके से निकली। वह शिवांग का हाथ पकड़कर एनएच के डिवाइडर को पार कर रही थी। उसी बीच शिवांग हाथ छुड़ाकर फोरलेन की तरफभागा और सामने से गुजर रहे ट्रेलर की चपेट में आ गया। रायपुर की ओर जा रहा ट्रेलर मासूम को कुचलते हुए आगे निकल गया। ट्रेलर को आगे जाकर चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ लिया।

सड़क दुर्घटना के मामले में पुलिस ने तुरंत ट्रेलर को जब्त करते हुए चालक को गिरफ्तार किया। इसके बाद भी आसपास के लोग काफी आक्रोशित हो गए। उन्होनें एनएच की सड़क को जाम कर दिया। लोगों ने ट्रेलर को चारों तरफ से घेर लिया था। इसके बाद सूचना मिलते ही भिलाई तीन पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में आगे की कार्रवाई की गई। इस दौरान करीब आधे घंटे तक एनएच में चक्का जाम रहा।

कोंडागांव में हादसा, 5 की मौत, 2 घायल

दो बाइकों की भिड़ंत में महिला सहित 4 की मौत, ट्रक की टक्कर से कार सवार की गई जान

केशकाल (ए)। कोंडागांव जिले में सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में महिला और 3 युवक शामिल हैं। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। बताया जा रहा है कि इनमें से एक युवक अपनी बहन के घर राखी बंधवाने जा रहा था, लेकिन हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतकों के शव और घायलों को केशकाल के अस्पताल लाया गया है। मामला जिले के धनोरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, धनोरा के पास स्थित कररापारा गांव में हादसा हुआ है। बाइक में सवार 3 युवक फरसगांव के मोदे गांव से केशकाल के इरागांव की तरफ जा रहे थे। इनमें इरागांव के रहने वाला बाइक चालक युवक विनय पांडे (26) बहन के घर राखी बंधवाने जा रहा था। इसी बीच रास्ते में विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर महिला और एक युवक सवार थे।

मार्ग से गुजर रहे लोगों ने हादसे की जानकारी धनोरा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जवान मौके पर पहुंच गए जिन्होंने घायलों और तीनों मृतकों को पुलिस वाहन से ही केशकाल के अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि घायल युवक की स्थित गंभीर बनी हुई है। उसे कोंडागांव जिला अस्पताल रेफर करने की तैयारी की जा रही है। खबर लिखे जाने तक घायलों समेत अन्य दोनों मृतकों के नामों की जानकारी नहीं मिल पाई।

एक दिन में दो हादसे, 5 की गई जान

कोंडागांव जिले में एक ही दिन में अलग-अलग दो हादसे हुए हैं। नेशनल हाईवे में ट्रक और इनोवा की टक्कर मेंसवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। धनोरा इलाके में हुए हादसे में महिला समेत 4 लोगों की मौत और 1 घायल हैं। इन दोनों हादसों में 5 लोगों की मौत हुई है। सभी हादसे केशकाल ब्लॉक में ही हुए हैं।

सिर पर बत्ते से मारना गंभीर मौत पर मिली उम्रकैद की सजा हाईकोर्ट ने रखी कायम

बिलासपुर (ए)। राउत नाचा में हुए विवाद के बाद लकड़ी की पटिया से मारकर महिला की हत्या के आरोपी की अपील हाईकोर्ट से खारिज हो गई। हाईकोर्ट ने डॉक्टर के अभिमत और साक्ष्यों को देखते हुए निचली अदालत द्वारा दिए गए उम्र कैद की फैसले को बरकरार रखा। रायपुर के खरोरा निवासी मेहेत्तर उर्फनानू धीवर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रायपुर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा 2 मई 2014 को हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए उम्र कैद की सजा दिए जाने को चुनौती दी।

सुनवाई के दौरान बताया गया कि अपीलकर्ता के खिलाफ संतोष धीवर ने अपराध दर्ज कराया है कि उसके पास के गांव के राउत समाज के लोग नाचने आए थे। इस दौरान संतोष व मेहेत्तर का विवाद हो गया। संतोष इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने जा रहा था तो उसकी मां मोतिन बाई ने उसे नहीं रोका। इसके कारण गुस्से में मेहेत्तर ने मोतिन बाई के सिर में लकड़ी के बट्टा से सिर में हमला कर दिया जिससे खून बहने लगा और वह बेहोश हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले में खरोरा थाना प्रभारी ने अपीलकर्ता के खिलाफ धारा 302 के तहत अपराध दर्ज किया। पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर ने बताया कि हमले से सिर की हड्डी टूट गई थी, हमले की प्रकृति हत्यात्मक थी। इसके कारण मृत्यु हो गई। निचली अदालत में मेहेत्तर के खिलाफ11 गवाह पेश किए गए थे। मामले की सुनवाई के बाद निचली अदालत ने उम्र कैद की सजा व अर्थदंड की सजा दी।

बाइक सवारों से लूटपाट के दो आरोपी गिरफ्तार

बरगढ़ (ए)। बरगढ़ सदर थाना के एकाम्र चौक से 22 जुलाई को दो बाइक सवारों से 25 हजार रुपए की लूट मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है। मामले की जांच करते समय पुलिस ने दो आरोपियों पकड़ा है। इसमें मुख्य आरोपी दिलीप साहू के नाम पर पहले से ही 2 मामले चल रहे हैं, जबकि अन्य आरोपी बबलू खान के नाम पर 9 मामले चल रहे हैं। ऐसे में इनके साहस व पुलिस के ढुलमुल रवैये को लेकर आम लोगों में चर्चा चल रही है। कार्रवाई के संबद्ध सदर थाना में प्रेस मीट का आयोजन किया गया।

इस दौरान एएसपी प्रद्युम्न मिश्र व सदर थाना अधिकारी स्वप्नारानी गोछायत ने इस बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि 22 जुलाई को नूआ गुडेशिरा के विनायक मेहेर व उनके भाई लाठ मेहेर बेहेरा कपडा बाजार साड़ी खरीदने जा रहे थे। दो बाईक पर 5 लोग उनका पीछा करते हुए उन्हें एकाम्र चौक स्थित पानी पाउच कारखाने के बाद उनपर आक्रमण कर दिया व उनसे 25 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। इस पर विनायक ने सदर थाना में शिकायत की।काफी खोजबीन के बाद गिरफ्तार किए गए इन आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया जहां जमानत नामंजूर होने पर उन्हें जेल भेज दिया गया।

ज्ञात हो कि काटापाली के दिलीप के नाम पर बरगढ़ टाउन थाना में पहले से ही 15 केस दर्ज है। इसके अलावा एक एनबीडब्ल्यू केस सहित बरपाली, भटली एवं बुर्ला थाना में कुल 21 मामले दर्ज हैं। वहीं बबलू के नाम पर बरगढ़ टाउन थाना में 7 मामले पहले से ही दर्ज है, जबकि डुंगरीपाली, बरगढ़ रोड रेलवे आरपीएफ थाना में 9 मामले पहले से ही दर्ज है।लगातार इन अपराधियों द्वारा वारदातों को अंजाम दिए जाने और पुलिस द्वारा इन पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं किए जाने से सचेतन वर्ग के लोगों में भी इस बात को लेकर चर्चा शुरु हो गई है।

रायपुर में चाकू मार युवक की हत्या

रक्षाबंधन के दिन भाई ने दी बहन को उसके पति की मौत की खबर, हत्यारों का सुराग नहीं

रायपुर (ए)। रक्षाबंधन के दिन जब देशभर में खुशियां मनाई जा रही थी रायपुर के एक परिवार में मातम छा गया। अनजान हमलावरों ने एक युवक की हत्या कर दी। रक्षाबंधन के दिन जहां बहनें भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती, इसी दिन एक भाई ने अपनी बहन को उसके पति की मौत की खबर दी।

मामला रायपुर के कबीर नगर इलाके का का है। गोगांव पानी टंकी के पास रहने वाले दीपक साहू नाम की कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। रात में बाइक पर सवार दो युवक दीपक के पास आए और चाकू मारकर उसकी जान ले ली। दीपक को घायल अवस्था में एम्स अस्पताल इलाज के लिए लाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। दीपक के साथ काम करने वाले लोगों ने उसके साले रामअवतार साहू को घटना की जानकारी दी। इसके बाद रामअवतार ने अपनी बहन बताया। रक्षाबंधन के दिन भाई-बहन इस हत्याकांड की वजह से गम में डूबे हैं। रामअवतार ने बताया कि दीपक पर हमला किसने किया हम नहीं जानते, उसकी किसी से दुश्मनी नहीं थी। मामले की जानकारी पुलिस को दी है अब तक हमलावरों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

दो छोटे बच्चों का सहारा छीना

दीपक के दो छोटे बच्चे हैं। 4 साल का बेटा और 6 साल की बेटी। कबीर नगर इलाके में ही एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में दीपक बतौर ड्राइवर काम किया करता था। दीपक के साले रामअवतार साहू ने बताया कि बीती रात वह अपनी गाड़ी पार्क करके ऑफिस के पास ही था। तभी उस पर अटैक हुआ। दीपक के सीने पेट पर चाकू के गहरे जख्म हो गए थे काफी खून बह गया और उसकी जान चली गई।

3 दिन में हत्या की दूसरी वारदात

रायपुर टिकरापारा इलाके में 3 दिन पहले अजय तांडी नाम के युवक की हत्या कर दी गई थी। उसे बत्ते से बुरी तरह से कुछ हमलावरों ने पीटा था। इलाज के दौरान अजय की जान चली गई। अब कबीर नगर इलाके में चाकूबाजी का यह मामला सामने आया है। पुलिस लगातार चाकू बाजों के खिलाफ अभियान भी चला रही है मगर वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रही।

चलती ट्रेन से गिर कर युवक घायलः पत्नी से विवाद के बाद रायपुर से जा रहा था शहडोल, बिलासपुर में जख्मी हालत में मिला

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक युवक चलती ट्रेन से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वह खुद समपार फाटक के पास तक पहुंचा और बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस के डायल 112 ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक रायपुर का रहने वाला है और पत्नी से विवाद होने पर नाराज होकर शहडोल जा रहा था। यह हादसा कोटा थाना क्षेत्र में हुआ है।

कोटा थाने के डायल 112 की टीम को जानकारी मिली कि ग्राम पथर्रा के समपार के पास एक युवक गंभीर रूप से घायल पड़ा है। खबर मिलते ही पुलिस की टीम वहां पहुंच गई। उन्होंने घायल युवक को कोटा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद युवक को होश आ गया। पूछताछ में पता चला कि रोशन सिंह राजपूत (40) पिता मोहन सिंह राजपूत रायपुर में अपनी पत्नी के साथ रहता है।

पत्नी से विवाद होने पर जा रहा था शहडोल

घायल युवक ने पुलिस को बताया कि रायपुर में उसकी पत्नी से झगड़ा हो गया। इस पर वह नाराज होकर ट्रेन से अपने घर शहडोल जाने के लिए निकला था। तभी यह हादसा हो गया। पुलिस ने उसकी पत्नी और परिवार वालों को घटना की जानकारी दी है।

पुलिस के अनुसार युवक ट्रेन में सफर कर रहा था। गुरुवार दोपहर वह समपार फाटक के पास घायल पड़ा था। उसने पुलिस को बताया कि ट्रेन में गेट के पास बैठा था। तभी उसे झपकी लग गया और वह ट्रेन से नीचे गिर गया। गिरने के बाद वह पैदल कर समपार फाटक तक पहुंच कर बेहोश पड़ा था। घायल युवक किस गाड़ी में सफर कर रहा था। इसकी जानकारी उसे नहीं है। पुलिस उससे पूछताछ के आधार पर जीआरपी से जानकारी जुटा रही है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ताः 93003-77572

खास - खबर

अभिजीत शर्मा ने भी फहराया अपने घर पर तिरंगा, इस अभियान को ज्यादा से ज्यादा आगे बढाने लोगों से की अपील

दुर्ग। भारत को आज़ाद हुए 75 साल पूरे हो गए है। इस उत्सव को भारत सरकार आजादी के अमृत महोत्सव के तौर पर मना रही है।

इस बार के खास स्वतंत्रता दिवस के जश्न को और धूम धाम से मनाने के लिए भारत सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान की शुरआत की है ।देश मे 'हर घर तिरंगा' अभियान जोरो शोरो से आगे बढ़ रहा है इसी अवसर पर भाजयुमो दुर्ग शहर विधानसभा प्रभारी (सोशल मीडिया) अभिजीत शर्मा ने भी अपने घर के छत में तिरंगा फ्हराया और सभी से इस अभियान को आगे बढाने की अपील की ।

बैसाखी के सहारे चलकर अब विकलांग भी बनाएंगे आजादी अमृत उत्सव

दुर्ग। इस वर्ष आजादी की 75वी वर्षगांठ के अवसर पर पूरा देश अमृत महोत्सव बना रहा है, जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग भी इस अमृत महोत्सव में अपनी भागीदारी देते हुए शहर के मुख्य चौक चौराहो पर कमर के बल से घिस घिस कर चलने वाले 4 विकलांग जनोँ को नि:शुल्क बैसाखी वितरण की गयी, बैसाखी पाकर अब ये दिव्यांग जन भी दी गयी बैसाखी के सहारे चलकर शहर में होने वाले अमृत महोत्सव देख पाएंगे जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि नि:शक्तजन हमारे समाज का ही अंग हैं, उनके कल्याण एवं उन्हे आत्मनिर्भर बनाने की जिम्मेदारी भी हमारी है। जरूरतमंद नि:शक्तजनों को इन उपकरणों द्वारा अपनी क्षमताओं में वृद्धि करने में सहायता मिल सकेगी। दिव्यांग होना कोई अभिशाप नहीं है वे समाज के ही अभिन्न अंग है। दिव्यांगता अभिशाप नहीं है क्योंकि शारीरिक अभाव को यदि प्रेरणा बना लिया जाए तो दिव्यांगता व्यक्तित्व विकास में सहायक हो जाती है।

35000 महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल ने लिया बड़ा निर्णय

पावर हाउस महिला मदर्स मार्केट की दुकानों को सामुदायिक संगठनों को किया जाएगा आबंटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की 35000 महिलाएं स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई है। अब इन महिलाओं को विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल के निर्णय से स्वरोजगार की दिशा में जुड़ने का मौका मिल रहा है। विधायक एवं महापौर तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की महिला सीओ के साथ निगम में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन प्रीति सिंह, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, सहायक परियोजना अधिकारी फणींद्र बोस एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पावर हाउस के समीप महिला मदर्स मार्केट में निर्मित 21 दुकानों को लॉटरी के माध्यम से महिला सीओ को आबंटित किया जाएगा। सीओ के अधीन में स्व सहायता समूह की महिलाएं कार्य करती है और सीओ इसकी मॉनिटरिंग करती है। आबंटित दुकानों का संचालन सीओ के माध्यम से होगा। भिलाई के सीओ के अधीन 3500 स्व सहायता समूह की महिलाएं कार्य कर रही है वही एक समूह में 10 से 20 महिलाएं शामिल होती है। इस प्रकार से 21 सीओ के अधीन 35000 महिलाएं कार्य कर रही है। इन महिलाओं के बनाए हुए उत्पादों को अब एक बेहतर प्लेटफार्म मिलेगा और स्वरोजगार की दिशा में महिलाएं आगे बढ़ेगी। प्रत्येक दुकानों को लॉटरी सिस्टम से आबंटित करने की कार्य योजना तैयार हो चुकी है। कौन से नंबर की दुकान किनको मिलनी है यह लॉटरी होने की दिन लॉटरी से तय हो जाएगा। लेकिन 21 सीओ को 21 दुकाने मिलना तय है और इन 21 महिलाओं के अधीन 35000 महिलाओं को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को विक्रय करने का मौका मिलेगा। इनके संचालन के लिए एक कमेटी भी तैयार की जाएगी जिसमें जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, एवं महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करने वाले संगठनों को भी शामिल किया जाएगा। महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों को अब विक्रय के लिए एक स्थान मिलेगा और रोजगार प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर भी लगातार स्व सहायता समूह की महिलाओं को कार्य दिलाने बैठक लेते रहे हैं, उन्होंने अधिकारियों को इस बाबत निर्देश दिया हुआ है।

अनुपयोगी स्थल अब बन गया भव्य मार्केट पावर हाउस के समीप पहले प्रगति मार्केट के नाम से यह मार्केट काफी अनुपयोगी साबित हो रहा था और इस स्थल का कोई भी उपयोग नहीं हो रहा था इसके साथ ही इसमें कब्जे भी बहुत थे। विधायक एवं पूर्व महापौर देवेंद्र यादव ने इस जगह का बेहतर उपयोग करने की कार्य योजना तैयार की और महिलाओं के उत्थान के लिए इस जगह का चयन किया। नेशनल हाईवे से लगे इस स्थल पर अब भव्य महिला मदर्स मार्केट निर्मित हो चुका है। अब स्व सहायता समूह की महिलाओं को इसे आवंटित किया जाएगा और वह अपने घरों में बनाए हुए बेहतरीन उत्पादों को इस मार्केट के माध्यम से बेच पाएंगी। अभी तक महिलाओं को मार्केट के अभाव में कोई भी स्थान नहीं मिला था परंतु विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल की पहल से शहर की स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। हर प्रकार के सामग्रियों की विक्रय होगी महिला मदर्स मार्केट में महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, चुंकि अलग-अलग महिला स्व सहायता समूह के द्वारा अलग-अलग उत्पाद तैयार किए जाते हैं इसलिए हर प्रकार की वैरायटी एवं जरूरत की चीजें इस मार्केट में उपलब्ध रहेंगी। पावर हाउस के महिला मदर्स मार्केट के समीप ही शीघ्र सी मार्ट भी प्रारंभ होने वाला है।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा लोगों को घर में झंडा फहराने कर रहे जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भिलाई शहर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा लोगों को घर में झंडा फ्हराने जागरूक करने पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा, जिससे बच्चों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। इसके तहत बुधवार को श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा सुपेला में प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में पदयात्रा का आयोजन किया गया।

पदयात्रा में वैशालीनगर विधानसभा के विधायक विद्यारतन भसीन सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं एवं क्षेत्र के आमजन जुड़े। सभी ने पूरे जोश के साथ लोगों को आजादी के इस महोत्सव में सहभागी बनने और तिरंगा को अपने घर में फ्हराने की अपील की। पदयात्रा की शुरूआत अवंतीबाई चौक सुपेला से की गई जो गदा चौक होते हुए इंदिरा मार्केट सद्भावना चौक पहुंची। यहां पर स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठन के सदस्यों द्वारा पदयात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। पदयात्रा का समापन आजाद चौक रामनगर में किया गया। पूर्व विस अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इस अभियान के माध्यम से हमारा तिरंगे के साथ रिश्ता और मजबूत होगा और लोगों में देशभक्ति की भावना भी बढ़ेगी। जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे करते हुए भारत भक्ति का भाव सबसे ऊपर रखेंगे। उन्होंने आमजनों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील करते हुए कहा कि आजादी के 75वीं वर्षगांठ को विशेष बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान को शामिल करते हुए 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फ्हराने के लिए लोगों में अपार उत्साह है।

बगैर लायसेंस-पंजीयन के दुकान चलाने पर दुकानदार को दुर्ग निगम ने तमाया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर नगर पालिक क्षेत्र सीमा अंतर्गत स्टेशन रोड़, तरूण टॉकिज के बाजु दुर्ग बिना लायसेंस एवं दुकान स्थापना पंजीयन के अनाधिकृत रूप से संचालित व्यवसाय को बंद करने के संबंध नगर पालिक निगम के अनुज्ञापन अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने लेंसकार्ट दुकान संचालक को नोटिस थमाया ,अधिकारी के निरीक्षण के दौरान उक्त प्रतिष्ठान द्वारा नगर पालिक निगम, दुर्ग से बिना लायसेंस एवं दुकान स्थापना पंजीयन के अनाधिकृत रूप से संचालित किया जाना पाया गया है ।

उनका यह कृत्य छग नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 366 के विपरित एवं उल्लंघन की श्रेणी में होने के कारण नोटिस के माध्यम से दुकान संचालक को सूचित की गई। अनाधिकृत रूप से संचालित व्यवसाय को तत्काल बंद करने के लिए कहा गया ।नगर पालिक निगम द्वारा बंद कराने की सख्त कार्यवाही की जावेगी ।इसके लिए दुकानदार स्वयं जवाबदार होंगे। दुकानदार बिना लाइसेंस कारोबार करके सरकार को चुना लगाया जा रहा है ।निरीक्षण के दौरान बगैर लायसेंस पंचीयन दुकान चलाते हुए पाया गया।

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए उपयोगितायें, शक्ति, विद्युत एवं आई एंड ए जोन के अधिकारी एवं कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के पी एंड ई जोन में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में 4 जोनों से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस संदर्भ में दिनांक 10 अगस्त, 2022 को आयोजित समारोह में पी एंड ई जोन सें अति उत्तम कार्य प्रदर्शन के लिए शक्ति कुमार मानिकपुरी सहायक महाप्रबंधक (ओपी-2), श्री सुशीलदेव भालेकर सहायक प्रबंधक (पीईएम), एम सी जॉय सहायक प्रबंधक (डीएनडब्ल्यू) एवं सुरेश कुमार नागदेव सहायक प्रबंधक (इन्स्ट्रूमेन्टेशन) को पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में कर्म शिरोमणि पुरस्कार से दिलीप कुमार, ओसीटी (ओपी-2), निसिर बिस्वास, वरिष्ठ तकनीशियन (पीईएम), श्री के बालकृष्ण, चार्जमेन कम वरिष्ठ तकनीशियन (एचएमई) एवंराम बचन साहू, चार्जमेन (इन्स्ट्रूमेन्टेशन) को सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेताओं को सम्मान स्वरूप प्रवीणता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह और जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी असित साहा की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ।

मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) जी ए सोरटे, मुख्य महाप्रबंधक राजीव पांडेय, महाप्रबंधक प्रभारी अर्जुनन शंकर, महाप्रबंधक प्रभारी एस के केशकर, महाप्रबंधक प्रभारी एच के साहू एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख ने पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को सराहा।

देवभूमि ले आउट के अवैध प्लाटिंग पर फिर चला निगम प्रशासन का बुलडोजर

जिला प्रशासन व निगम प्रशासन एक्शन मोड पर अवैध प्लाटिंग एवं कब्जाधारियों पर चलेगा निगम का बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत को नगर निगम एवं जिला प्रशासन द्वारा एसडीएम मुकेश रावटे,भवन अधिकारी प्रकाश चंद थावनी,सहायक भवन अधिकारी गिरीश दीवान,तहसीलदार प्रकाश सोनी,अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, भवन निरीक्षक विनोद मांझी, मोहन नगर टीआई व पुलिस बल की मौजूदगी में देवभूमि ले आउट दुर्ग द्वारा उरला करहीडीह के पीछे अवैध प्लॉटिंग कर निर्मित मार्ग संरचना और नाली को तोड़ने की कार्यवाही की गई। डेढ़ महीने के भीतर दूसरी बार अवैध निर्माण और ले-आउट मंजूरी के बिना अवैध प्लाटिंग करने पर जिला प्रशासन व नगर निगम की टीम ने बेदखली की कार्रवाई की ।प्रशासन को सूचना मिली थी कि देवभूमि ले आउट दुर्ग द्वारा उरला अवैध विकासकर्त्ता सुनील गुप्ता एवं हिमांशु अग्रवाल ने अवैध प्लॉटिंग किया गया था जिसको मूलस्वरूप में लाने के लिए कार्यवाही जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम द्वारा की गई।। सूचना पर नगर पालिक निगम एवं जिला प्रशासन की टीम पहुंची और कार्रवाई को अंजाम दिया। कुछ दिन पहले ही अवैध कब्जों पर बड़ी कार्वाही मनोज ले आउट के खिलाफ अवैध बाउंड्रीवाल को कार्वाही करके तोड़ा गया था।

महिला समूहों ने बनाया तिरंगा झण्डा, पुराना बस स्टैंड मे खोला गया बिक्री केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान के लिए दुर्ग में महिला समूहों द्वारा बनाए गए तिरंगा झंडे घर-घर में फ्हराए जाएंगे। सक्षम क्षेत्र स्तरीय समिति संगठन व धन लक्ष्मी क्षेत्र स्तरीय समिति से जुड़े महिला समूह द्वारा झंडों की सिलाई का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि महिलाओं द्वारा हजारो झंडे बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

विधायक, महापौर व सभापति ने किया तिरंगा बिक्री केंद्र का शुभारंभ, आजादी के 75 वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने खरीदे तिरंगे झंडे

विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इस अभियान को सफ्ल बनाने के लिए 11 से 17 अगस्त तक अपने-अपने घरों व प्रतिष्ठानों में तिरंगा झंडा फ्हराने की अपील की है। इन झंडों को बनाने के लिए माप आदि की तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन आजीविका मिशन से जुड़े अधिकारियों ने दिया है। स्व सहायता समूह की महिलाएं खादी और पालिस्टर कपड़े के दो प्रकार के तिरंगा झंडा बना रही हैं। झंडे 20 इंच ऊंचाई और 30 इंच चौड़ाई की निर्धारित माप में बनाए है। प्रति तिरंगा झंडा की कीमत 40 व 50 रुपये की दर से बिक रहा है ।इसके लिए नगर पालिक निगम ने आज इंद्रिरा मार्केट पुराना बस स्टैंड मे दुकान का शुभारंभ आज विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल ,पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा,सभापति राजेश यादव ने किया। विधायक एवं महापौर ने महिलाओं द्वारा बनाए गए झंडा खरीदें तथा लोगों को स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित झंडा खरीदकर स्व सहायता समूह को आर्थिक उन्नति में सहायक व झंडा लगाने से राष्ट्रीय भावना का संचार व प्रदर्शन करने अपील किया। इस अवसर पर राजस्व व बाजार प्रभारी ऋषभ जैन, पार्षद बिजेंद्र भारद्वाज एल्डरमेन अजय गुप्ता, उपायुक्त मोहेंद्र साहू,मुक्तेश ,ईश्वर वर्मा, महिला समूहों के पदधिकारी गीता सोनी टुवेन्द्री साहू भारती चंद्रकार,भारती साहू,शारदा यादव सहित अनेक महिलाए तिरगे की स्टाल मे अपनी सेवाए दे रही हैं।

महिला समूहों की सदस्यों द्वारा बनाये गए इन झंडों को किफायती दरों पर के साथ बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया है। गौरतलब है कि स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के अवसर पर देश भर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलेगा।

विधायक एवं महापौर ने महिलाओं द्वारा बनाए गए झंडा खरीदें तथा लोगों को स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित झंडा खरीदकर स्व सहायता समूह को आर्थिक उन्नति में सहायक व झंडा लगाने से राष्ट्रीय भावना का संचार व प्रदर्शन करने अपील किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950